सिटी चीफ

वर्ष-15, अंक-121
पृष्ठ-8 मूल्य 2 रूपया

CITYCHIEFSENDMENEWS@GMAIL.COM

इंदौर, सोमवार 05 अगस्त 2024

सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार

आज का विचार

दुख और वेदना के अथाह सागर वाले इस संसार में प्रेम की अत्यधिक आवश्यकता है।

सिंगल कॉलम

मुख्यमंत्री के काफिले की कार से टकराया ऑटो, 3 लोग घायल

सारंगपुर। राजगढ़ में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के काफिले के वाहन से एक ऑटो टकरा गया। जिसमें ऑटो में सवार तीन लोग घायल हो गए। इनमें से एक बच्चे को कलेक्टर और एसपी सारंगपुर के अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां उसका इलाज जारी है। दरअसल, रविवार को सीएम डॉ. मोहन यादव शाजापुर जाने के लिए भोपाल से कार से निकले थे। उनके काफिले में पीछे चल रहा एक वाहन राजगढ़ जिले के सारंगपुर में हाईवे पर एक ऑटो टकरा गया। ऑटो में ऑटो चालक आरिफ, उनकी पत्नी और दो बच्चे मौजूद थे। घटना में महिला और एक बच्चे को मामूली खरोच आई। जबकि आमीन पिता आरिफ उम्र 13 की कमर और पैर में चोट आई है। घटना के बाद बच्चे को प्रभारी कलेक्टर महिप किशोर तेजस्वी और एसपी आदित्य मिश्रा सारंगपुर अस्पताल लेकर पहुंचे। जहां डॉक्टरों ने उसे मामूली चोट आने की जानकारी दी। घटना के दौरान एसपी आदित्य मिश्रा और प्रभारी कलेक्टर भी उट काफिले का फॉलो कर रहे थे। इस मामले में जनपद उएड प्रमोद कुमार सिंह ने बताया कि घायल को 50 हजार रुपए की सहायता राशि दी जा रही है। साथ ही ऑटो की मरम्मत भी कराई जाएगी।

दुकानों पर 'नेम प्लेट' लगाने का मुद्दा प्रज्ञा सिंह ने हिंदुओं को दी सलाह

भोपाल। मध्य प्रदेश में एक बार फिर दुकानों पर नेम प्लेट का मुद्दा गरमा गया है। इस बार भोपाल की पूर्व सांसद और बीजेपी की दिग्गज नेता साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने बयान दिया है। उन्होंने अपने सोशल मीडिया साइट एक्स पर लिखकर हिंदुओं से अपील की है कि अपने प्रतिष्ठान के बाहर अपना नाम लिखें। उनके इस बयान के बाद मध्य प्रदेश में सियासत गरमा गई है। कांग्रेस ने भी पलटवार किया है। दरअसल, उत्तर प्रदेश में योगी सरकार ने आदेश दिया था कि कांवड़ यात्रा मार्ग पर लगने वाली सभी दुकानों पर दुकानदार का नाम लिखा जाना चाहिए। इसके बाद मध्य प्रदेश में भी इस बात को लेकर कई सारे बयान दिए गए थे। जब मामला सुप्रीम कोर्ट पहुंचा तो कोर्ट ने इसे खारिज कर दिया। उसके बाद अब एक बार फिर नेमप्लेट को लेकर मध्य प्रदेश की बीजेपी नेता ने बड़ा बयान दे दिया है। साध्वी प्रज्ञा सिंह ठाकुर ने पर लिखा है कि मेरा हर हिन्दू से आव्हान है कि अपनी दुकान, अपने-अपने प्रतिष्ठान पर अपना नाम अवश्य लिखें। अब जो लिखेगा वही हिन्दू और जो नाम न लिखे वह हिन्दू नहीं। नाम लिखने से आपको कोई नहीं रोक सकता क्योंकि देश आपका ही है। फिर सब समझदार हैं।

वक्फ एक्ट पर मचा घमासान...

कांग्रेस बोली- संशोधन बर्दाश्त नहीं

भाजपा का दावा- वक्फ की अनियमितताओं को दूर करना चाहती है सरकार

नई दिल्ली। वक्फ बोर्ड को लेकर देशभर में चर्चा हो रही है। कुछ लोगों ने आशंका जताई है कि मोदी सरकार संसद में वक्फ बोर्ड संशोधन बिल आने जा रही है। इसके जरिए वक्फ की जमीनों पर मालिकाना हक में बदलाव किया जाएगा। साथ ही वक्फ बोर्ड में महिलाओं को भी शामिल किया जाएगा।सरकारी की ओर से बिल पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया है, लेकिन बयानबाजी तेज है। सोमवार को दिन अहम है, क्योंकि संसद का मॉनसून सत्र चल रहा है और कहा जा रहा है कि सरकार आज यह बिल पेश कर सकती है। केंद्र सरकार द्वारा वक्फ अधिनियम में संशोधन की अटकलों के बीच भाजपा ने रविवार को अपना रुख साफ किया। पार्टी ने कहा कि वक्फ की संपत्तियों में कई अनियमितताएं हैं, जिन्हें सरकार दूर करना चाहती है। वरिष्ठ भाजपा नेता और उत्तर प्रदेश के पूर्व उपमुख्यमंत्री दिनेश शर्मा के मुताबिक, यह सरकार की जिम्मेदारी है कि वक्फ संपत्तियों की अनियमितताओं को दूर किया जाए और लोगों को उनका उचित हिस्सा देना होगा। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने इस पर अपने पत्ते नहीं खोले हैं, लेकिन पार्टी के मुस्लिम नेता मुखर हैं। मुंबई में कांग्रेस नेता नसीम खान ने कहा कि एक बार वक्फ की संपत्ति हमेशा वक्फ की संपत्ति होती है। इस एक्ट में संशोधन को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।केंद्र की एनडीए सरकार में साथी जदयू में भी विरोध होने लगा है। जदयू के पूर्व सांसद गुलाम रसूल ने कहा कि नीतीश कुमार को केंद्र की इस कोशिश का विरोध करना चाहिए।

हिंसा में 32 लोगों की मौत के बाद बांग्लादेश में कर्फ्यू

ढाका । बांग्लादेश में आरक्षण के खिलाफ छात्रों का प्रदर्शन लगातार जारी है। इस बीच बांग्लादेश सरकार ने रविवार शाम छह बजे से पूरे बांग्लादेश में कर्फ्यू लगाने का एलान किया है। रविवार को बांग्लादेश में जारी हिंसा में 32 लोगों की मौत हो गई। प्रदर्शनकारी छात्र लगातार प्रधानमंत्री शेख हसीना का इस्तीफा मांग रहे हैं। फेनी में हिंसा के दौरान पांच लोगों की मौत हुई है। इसके अलावा सिराजगंज में चार, मुंशीगंज में तीन, बोगुरा में तीन, मगुरा में तीन, भोला में तीन, रंगपुर में तीन, पाबना में दो, सिलहट में दो, कोमिल्ला एक, जयपुरहाट में एक ढाका में एक और बारीसाल में एक व्यक्ति की मौत हुई है। इस बीच, बांग्लादेश के गृह मंत्रालय ने रविवार शाम छह बजे से पूरे देश में कर्फ्यू लगाने की घोषणा की है। कर्फ्यू के दौरान फेसबुक, वॉट्सएप, इंस्टाग्राम, मोबाइल इंटरनेट को बंद किया जाएगा। प्रधानमंत्री शेख हसीना ने अपने निजी आवास गणभवन में सुरक्षा मामलों की राष्ट्रीय समिति की बैठक बुलाई। इस दौरान उन्होंने कहा, जो लोग प्रदर्शन के नाम पर सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचा रहे हैं, वे छात्र नहीं बल्कि आतंकवादी हैं। मैं देशवासियों से अपील करती हूं कि ऐसे लोगों को मजबूती से जवाब दें। बैठक में थल सेना, नौसंना, वायुसेना, पुलिस और सुरक्षा से जुड़े उच्च अधिकारी मौजूद रहे।

अंगदान के लिए मरीज को नहीं करना होगा इंतजार

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने इंसानी अंगों को अलग-अलग तरह के यातायात के जरिए आसानी से पहुंचाने के लिए पहली बार मानक संचालन प्रक्रिया जारी की है। इसके तहत, मानव अंग ले जाने वाली एयरलाइंस को प्राथमिकता से उड़ान भरने और उतरने के लिए एयर ट्रैफिक कंट्रोल से अनुरोध करने और साथ आगे की सीटें व्यवस्थित करने की भी अनुमति होगी। ऑर्गेन ट्रांसप्लांट के लिए एसओपी पूरे देश में अंग प्रत्यारोपण से जुड़े लोगों के लिए एक मार्गदर्शक दस्तावेज के रूप में काम करेगी और इसका मकसद अधिकतम उपयोग सुनिश्चित करना है। केंद्रीय स्वास्थ्य सचिव अपूर्व चंद्रा ने कहा कि अंग परिवहन की प्रक्रिया को बेहतर कर हमारा लक्ष्य है कि कीमती अंगों का अधिकतम उपयोग हो सके और जीवन रक्षक प्रत्यारोपण की प्रतीक्षा कर रहे अनगिनत मरीजों को उम्मीद मिले। ये एसओपी पूरे देश में अंग प्राप्ति और प्रत्यारोपण संस्थानों के लिए एक रोडमैप हैं, जो सर्वोत्तम प्रथाओं और गुणवत्ता मानकों का पालन सुनिश्चित करते हैं।

अनुसूचित जातियों को एकजुट रहने की जरूरत

लखनऊ। बसपा सुप्रीमो मायावती ने लखनऊ में प्रेस वार्ता में सुप्रीम कोर्ट के द्वारा अनुसूचित जातियों को उपजातियों में विभाजित करने के फैसले पर सवाल उठाया। मायावती ने कहा कि उनकी पार्टी सुप्रीम कोर्ट द्वारा किए गए एससी जाति में उपजाति विभाजन करने के फैसले से सहमत नहीं है। मायावती ने कहा कि आरक्षण पर नई सूची बनाने से कई तरह की परेशानियां सामने आएंगी। उन्होंने कहा कि पंजाब राज्य के मामले में 20 साल पहले के फैसले पर सुनवाई सही नहीं। साथ ही साथ एससी एसटी के बीच उपजाति का विभाजन करना सही नहीं फैसला नहीं होगा। बसपा सुप्रीमों ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट का फैसला कहीं न कहीं आरक्षण को खत्म करने के प्लान जैसा है। उन्होंने क्रीमीलेयर के मानक पर भी सवाल उठाए। मायावती ने दो टूक लहजे में कहा कि भविष्य में आरक्षण में किसी भी तरह के बदलाव की कोशिशें न हों। संविधान के नौवीं अनुसूची में इसे शामिल किया जाए। अनूसूचित जातियों को आगाह करते हुए मायावती ने कहा कि आपातकालीन की स्थिति को समझते हुए एससी-एसटी वर्ग को एकजुट होने की जरूरत है।

9 बच्चों की मौत के बाद एक्शनः मुख्यमंत्री मोहन यादव ने सागर कलेक्टर, एसपी को हटाया

सागर। मंदिर के पास दीवार गिरने से रविवार को 9 बच्चों की मौत हुई। बच्चों की मौत के बार देर रात मुख्यमंत्री मोहन यादव ने बड़ी एक्शन लिया। सीएम ने जिले के कलेक्टर, एसपी और एसडीएम को हटाने के निर्देश दिए हैं। इसके अलावा शाहपुर के प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र के डॉक्टर को भी सस्पेंड किया है। सीएम मोहन यादव ने एक्स पर पोस्ट कर लिया है कि सागर के शाहपुर में हुई मासूमों की मृत्यु की दुखद घटना को गंभीरता से लेते हुए कलेक्टर, एसपी को हटाने के लिए निर्देशित किया है। साथ ही प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र शाहपुर में पदस्थ डॉ. हरिओम बंसल को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया जा रहा है। सीएम ने आगे लिखा है कि पुन- प्रदेश के सभी अधिकारियों को निर्देशित कर रहा हूं कि इस तरह की घटनाओं के प्रति संवेदनशील रहे हैं। भविष्य में ऐसी घटना दोबारा न हो।

बाघ शावकों की मौत की जिम्मेदार ट्रेन को जब्त करने की तैयारी!

असम में हाथियों की मौत के बाद इंजन जब्त करने के निर्णय का दिया हवाला

भोपाल। मध्य प्रदेश में तीन बाघ शावकों की मौत के बाद वन विभाग संबंधित ट्रेन का इंजन जब्त करने पर विचार कर रहा है। ट्रेन मिडघाट-बुधनी रेलवे ट्रैक पर हादसा कर गई थी। वन अधिकारी असम सरकार द्वारा हाथियों की मौत के बाद इंजन जब्त करने के निर्णय का उदाहरण दे रहे हैं। सूत्रों के अनुसार, टाइगर स्टेट एमपी में वन अधिकारी निर्णायक कार्रवाई के लिए उच्च अधिकारियों पर दबाव डाल रहे हैं। इसके लिए असम सरकार के फैसले का उदाहरण लिया जा रहा है, जिसने एक रेलवे इंजन को जब्त कर लिया था, जिससे अक्टूबर 2020 में एक हाथी और उसके बच्चे की मौत हो गई थी। तीन शावकों की मौत ने मप्र के वन अधिकारियों को सदमे में डाल दिया है। उनका मानना है कि यह त्रासदी पूरी तरह से टाली जा सकती थी। तीनों शावक 14 जुलाई की रात को ट्रेन की चपेट में आ गए थे। एक की मौके पर मौत हो गई, जबकि उसके दो भाई-बहन एक पखवाड़े तक तड़पते रहे और फिर उनकी भी मौत हो गई। वन विभाग के एक अधिकारी का कहना है कि हमें उस ट्रेन के इंजन को जब्त कर लेना चाहिए जिसने इन शावकों को तब टक्कर मारी जब वे अपनी मां के पीछे चल रहे थे। यह एक ऐसा नुकसान है जिसकी भरपाई नहीं की जा सकती। अगर असम वन विभाग एक जंगली हाथी और बछड़े की मौत के लिए इंजन जब्त कर सकता है, तो हम अपने बाघ शावकों के लिए ऐसा क्यों नहीं कर सकते?

ट्रेन की पहचान और जिम्मेदारी

वन अधिकारी ट्रेन की पहचान करने की कोशिश कर रहे हैं। एक अन्य आईएफएस अधिकारी ने कहा पटरियां जंगल से होकर गुजरती हैं और यह हमेशा वन भूमि रहेगी। शमन उपाय करना और तीसरी लाइन के लिए पर्यावरण मंजूरी के दौरान दी गई शर्तों का अनुपालन करना रेलवे की जिम्मेदारी है।

पहले भी हो चुके हैं हादसे

सीहोर और रायसेन जिलों में बरखेड़ा और बुधनी के बीच 20 किलोमीटर लंबे इस रेलवे खंड पर ट्रेनों की चपेट में आने से इन तीन शावकों सहित आठ बाघों की मौत हो गई है। 2015 के बाद से ट्रेन दुर्घटनाओं में 14 तेंदुए और एक भालू भी मारे गए हैं। एमपी के वनवासियों का कहना है कि तीन शावकों की मौत एक महत्वपूर्ण बिंदु है। वे असम सरकार की कार्रवाई का हवाला देते हैं, जहां उसका वन विभाग गुवाहाटी में बामुनिमैदान रेलवे यार्ड में गया और 27 सितंबर, 2020 को एक हाथी और उसके बच्चे को कुचलने और एक किलोमीटर तक घसीटे जाने के बाद दर्ज किए गए मामले के खिलाफ लोकोमोटिव को जब्त कर लिया। उस घटना में रेलवे ने पायलट और सह-पायलट को निलंबित कर दिया था। एक डिप्टी रेंजर ने कहा, हाथियों की तरह, बाघ भी वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 के तहत अनुसूची -1 जानवर हैं। हमारे अधिकारी और फील्ड कर्मचारी उनकी सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए अपना खून बहाते हैं।

आखिरी तक 1-1 की बराबरी पर रहा मुकाबला, पेनल्टी शूटआउट में टीम इंडिया ने 4-2 से दर्ज की जीत

सिर्फ 10 खिलाड़ियों के दम पर भारतीय हॉकी टीम सेमीफाइनल में

पेरिस। पेरिस ओलिंपिक 2024 में रविवार को भारत और ग्रेट ब्रिटेन के बीच रोमांचक टक्कर देखने को मिली। भारत ने पुरुष हॉकी के पहले क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली है। भारत ने ओलंपिक में लगातार दूसरी बार सेमीफाइनल में एंट्री की है। फुलटाइम तक मुकाबला 1-1 की बराबरी पर रहा, जिसके बाद नतीजा पेनल्टी शूटआउट में निकला। भारत ने शूटआउट 4-2 से अपने नाम किया। अनुभवी गोलकीपर पीआर श्रीजेश एक बार फिर दीवार बने। उन्होंने शूटआउट में इंग्लैंड के दो गोल बचाए। कप्तान हरमनप्रीत सिंह, सुखजीत सिंह, ललित उपाध्याय और राजकुमार पाल ने गोल किए। वहीं, ब्रिटेन के लिए जेम्स अलबेरी और जाक वालांस ने गोल दागे। पहले क्वार्टर में कोई गोल नहीं हुआ। हालांकि, 17वें मिनट में भारत को उस वक्त बड़ा झटका लगा, जब अमित रोहितदास को रेड कार्ड थमाया गया। उन्हें मैदान से बाहर जाना पड़ा और भारत को बाकी मुकाबला 10 खिलाड़ियों के साथ खेलना पड़ा। कप्तान हरमनप्रीत ने मुकाबले में भारत का खाता खोला। भारत को 22वें मिनट में पेनल्टी कॉर्नर मिला, जिसपर हरमनप्रीत ने गोल में बदला। यह हरमनप्रीत का पेरिस ओलंपिक में सातवां गोल था। हालांकि, ब्रिगेट ने कुछ देर बाद ही बराबरी हासिल कर ली। ली मॉर्टन ने 27वें मिनट गोल किया और दूसरा कार्टर समाप्त होने तक स्कोर 1-1 रहा। तारीफ करनी होगी भारतीय डिफेंस की जिसने 36 वर्षीय श्रीजेश की अगुवाई में ब्रिटेन के हर हमले का बचाव करते हुए उसे बढ़त नहीं बनाने दी। ब्रिटेन ने 28 बार भारतीय गोल पर हमला बोला और महज एक कामयाबी मिली। तीसरे क्वार्टर में भारतीय टीम फिर गेंद पर नियंत्रण के लिए जूझती नजर आई। ब्रिटेन ने पहले ही मिनट से आक्रामक खेल दिखाया और 36वें मिनट में उसे पेनल्टी कॉर्नर मिला जिस पर फर्लोंग का शॉट श्रीजेश ने बचाया। ब्रिटेन ने चौथे क्वार्टर में लगातार हमले बोलने का सिलसिला जारी रखा लेकिन भारत ने दस खिलाड़ी होने के बावजूद गोल नहीं गंवाया। तीसरे और चौथे क्वार्टर में किसी टीम ने गोल नहीं दागा।

भारतीय टीम ने दोहराया ये इतिहासः भारत की पुरुष हॉकी टीम ने टोक्यो ओलंपिक के इतिहास को दोहराया है। भारत ने 2021 में टोक्यो में क्वार्टर फाइनल में ब्रिटेन को हराकर सेमीफाइनल में एंट्री की थी। भारत ने तब ब्रिटेन को 3-1 से शिकस्त दी थी लेकिन सेमीफाइनल में उसे बेल्जियम के हाथों हार झेलनी पड़ी थी। हालांकि, भारतीय टीम ने ब्रॉन्ज मेडल मुकाबले मे जर्मनी को मात देकर 41 साल के सूखे को समाप्त किया था। भारत अब पेरिस में अपने मेडल का कलर बदलने की कोशिश करेगा।

News सिटी चीफ
सम्पूर्ण भारत मे चर्चित हिन्दी अखबार
Fastest Growing Media Network
अवश्यकता है
इंदौर भोपाल जिले के सभी तहसीलो में दैनिक अख़बार और डिजिटल रिपोर्टर की।
डिजिटल और प्रिंट के लिये मार्केटिंग टीम (मेल/फीमेल) एवं हेल्परो की अवश्यकता हैं
डिजिटल मीडिया का क्रान्तिकारी कदम
डिजिटल भारत में खबरों के लिए देखे सिटी चीफ न्यूज़
रिपोर्टर बनने के लिए सम्पर्क करे
9755996590

सिंगल कॉलम

नवविवाहिता ने किया सुसाइड रात में खाना खाने के दौरान पति से हुआ था विवाद

इंदौर। तुकोगंज इलाके में रहने वाली एक नवविवाहिता ने फांसी लगाकर जान दे दी। रात में खाने की बात पर पति से कहासुनी हुई थी। इसके बाद पत्नी कमरे में गुस्सा होकर गई और जानलेवा कदम उठा लिया। पुलिस पोस्टमार्टम के लिये मायके पक्ष के लोगो का इंतजार कर रही है। तुकोगंज पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना रुस्तम के बगीचे की है। यहां रहने वाली दीक्षा (27) पति नीरज पंवार ने अपने घर में फांसी लगा ली। परिवार के लोगों ने बताया कि दीक्षा की रात में नीरज को खाने की बात पर कहासुनी हुई। वह अपनी 3 साल की बेटी को छोड़कर गुस्से में रूम में चली गई और गेट लगा लिया। परिवार के लोगों ने गेट बजाया पर नहीं खोला। इसके बाद पति नीरज और अन्य लोगों ने गेट तोड़ा तो दीक्षा अंदर फंदे पर लटकी हुई थी। परिवार के मुताबिक चार साल पहले ही नीरज और दीक्षा की शादी हुई थी। नीरज प्रॉपर्टी ब्रोकर है। दीक्षा का मायका ईसागढ़ में है। उसके मायके पक्ष के लोगों को रात में मौत को लेकर जानकारी दी गई। पुलिस के मुताबिक मायके पक्ष के लोगों के आने के बाद ही पोस्टमार्टम कराया जाएगा।

निजी कंपनी के कर्मचारी की हादसे में मौत

इंदौर। इंदौर के लसूड़िया में एक सड़क हादसे में निजी कंपनी के कर्मचारी की मौत हो गई। बताया जाता है कि वह देर शाम ड्यूटी निपटाकर अपने घर जा रहे थे। इस दौरान हादसे का शिकार हो गए। पुलिस ने मामले में मर्ग कायम किया है। लसूड़िया पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक घटना तलावली चांदा के यहां की है। शमशेर पुत्र अभय सिंह निवासी कुवालदा सांवेर को एक कंटेनर ने अपनी चपेट में ले लिया। शमशेर की मौके पर ही मौत हो गई। लोगों ने कंटेनर को रोका लेकिन वह टक्कर मारकर चले गया। पुलिस कंटेनर ओर ड्रायवर की तलाश कर रही है। परिवार ने बताया कि शमशेर लसूड़िया इलाके की नीता चैंबर कंपनी में कार्यरत थे। देर शाम वह ड्यूटी से ही घर जा रहे थे। शमशेर के परिवार में पत्नी जया, दो बेटी 5 साल और एक 7 माह की है। वहीं एक भाई और माता-पिता हैं। चदंन नगर इलाके में रहने वाली उर्मिला (55) पति बिट्?टूलाल की सड़क हादसे में मौत हो गई। घर से कुछ ही दूरी श्रीराम बिलावली के यहां वह बाइक से गिर गई। वह अपने भतीजे तुषार के साथ घाटा बिल्लौद अपने बड़े दामाद से मिलने पहुंची। इसके बाद शुक्रवार शाम वापस आ रही थी। इस दौरान वह घायल हो गई। शनिवार को उनकी मौत हो गई। परिवार के लोगों ने बताया कि वह उत्तरप्रदेश मुजफ्फरपुर की रहने वाली है। इंदौर में अपने बेटे के साथ रहती थी। वही पति और एक बेटा उत्तरप्रदेश में गांव में ही रहते है। परिवार के मुताबिक पोस्टमॉर्टम के बाद शव को गांव लेकर जाएगे।

एमवाय अस्पताल में भर्ती मरीजों के परिजन को बांटा भोजन

इंदौर। लायंस इंटरनेशनल की एक महत्त्वपूर्ण सेवा गतिविधि है। लायंस क्लब ऑफ इंदौर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर्स द्वारा एम वाय हॉस्पिटल परिसर में मरीजों के परिजनों हेतु लायंस आश्रय स्थली के नाम से रेस्ट हाउस बनाया है। इसमें चाइल्डहुड कैंसर पीड़ित बच्चों के परिजन भी रुकते हैं। यहां पर लायंस क्लब ऑफ इंदौर एडमिनिस्ट्रेटिव ऑफिसर्स की सदस्य लायन डॉ. कृति श्रीवास्तव, लायन डॉ. अर्चना श्रीवास्तव और लायन ओपी श्रीवास्तव ने मरीजों के परिजन को भोजन वितरण किया। लायन शशि अग्रवाल के द्वारा बिस्किट के पैकेट वितरित किए गए। इस अवसर पर लायन सीबी सिंह क्लब अध्यक्ष, लायन रामेश्वर गुप्ता, लायंस क्लब शाश्वत से लायन शोभा दुबे, लायन अर्चना दीक्षित, लायन लक्ष्मी कुरैशी, लायन मोनिका व्यास और लायन ऊषा शर्मा भी उपस्थित थे। लायंस आश्रय स्थली इस तरह का सेवा प्रकल्प है जिसमें एमवाय अस्पताल में बाहर से आए हुए मरीजों के परिजनों के ठहरने की निःशुल्क व्यवस्था है तथा समय-समय पर उनको भोजन भी उपलब्ध करवाया जा रहा है। लायंस क्लब ऑफ इंदौर शाश्वत ने आवश्यकता को देखते हुए 17 बेडशीट लायंस आश्रय स्थली को भेंट की।

इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन ने महापौर से मिलकर बताई समस्याएं

इंदौर। इंदौर ट्रक ऑपरेटर एंड ट्रांसपोर्ट एसोसिएशन का एक प्रतिनिधि मंडल ने रविवार को शहर के प्रथम नागरिक पुष्यमित्र भार्गव महापौर से मुलाकात कर ट्रांसपोर्ट नगर की समस्याओं पर चर्चा कर समाधान करने का निवेदन किया। इस पर महापौर ने तुरंत अधिकारियों को फोन लगाकर ट्रांसपोर्ट नगर का अतिक्रमण हटाने और जल जमाव की निकासी करने की व्यवस्था एवं गड्ढे तुरंत भरने के निर्देश दिए। इसके साथ ही ट्रांसपोर्ट नगर की बची हुई रोड बनाने के लिए टेंडर जारी करने के निर्देश दिए। प्रतिनिधिमंडल में अध्यक्ष सीएल मुकाती, महासचिव पवन शर्मा, सचिव मोहित ढाभी, उपाध्यक्ष सुनील पांचाल, हरपाल होरा, गोपाल जायसवाल, बंटी छाबड़ा, हेमंत भार्गव, राधेश्याम जायसवाल शामिल थे।

हरियाली अमावस्या पर ग्रीन बेल्ट से हरियाली उजाड़ी, दस साल पहले लगाए थे

ब्रिज के लिए काट दिए पंद्रह से ज्यादा पेड़

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर ने हाल ही में एक साथ 12 लाख पौधे रोपे जाने का विश्व रिकॉर्ड बनाया गया, लेकिन हरियाली लगातार कम हो रही है। जो पेड़ वर्षों में फल-फूल कर बड़े हुए, उन्हें विकास में बाधा मानकर तोड़ा जा रहा है। हरियाली अमावस्या पर रविवार को इंदौर के पुराने एबी रोड पर स्थित सत्यसांई चौराहे के समीप हरे-भरे पंद्रह पेड़ काट दिए गए।

यहां मध्य प्रदेश सड़क विकास निगम छह लेन ब्रिज बना रहा है। इसकी जद में आ रहे पेड़ों को काटने का काम शुरू हुआ है। पेड़ों को काटने की अनुमति नगर निगम ने ही दी थी। 10 साल पहले बीआरटीएस निर्माण के समय पंचमुखी हनुमान मंदिर के समीप कदम, अशोक, बादाम के पौधे लगाए गए थे, जो काफी बड़े हो गए थे। इन पेड़ों को रविवार को काट दिया गया। ग्रीन बेल्ट से हरियाली गायब होने के बाद रहवासियों को वह हिस्सा सूना लग रहा है। उनका कहना था कि अफसरों को पहले प्लान कर पेड़ लगाना चाहिए, ताकि बड़े होने पर उन्हें काटने की नौबत न आए।

साल भर में 4000 से ज्यादा पेड़ काटे
इस साल इंदौर में 4000 से ज्यादा पेड़ सड़कों के आसपास से हटाए गए। निजी परिसरों से हटाए गए पेड़ों की संख्या हजारों में है। इंदौर के विजय नगर चौराहा, एमओजी लाइन, रामबाग, एमआर-10, खजराना क्षेत्र से इस साल चार हजार से ज्यादा पेड़ काटे जा चुके हैं। अब हुकमचंद मिल परिसर से भी हजारों पेड़ हटाने की तैयारी हो रही है। शहर में इस साल जो पौधे लगे हैं। उन्हें हरा भरा होने में काफी समय लगेगा, लेकिन अभी हरियाली कम हो रही है। शहर के मास्टर प्लान में हरियाली का प्रतिशत 14 है, लेकिन वास्तविकता में आठ प्रतिशत हरियाली है। ग्रीन बेल्ट के कई हिस्सों में अवैध बसाहट हो चुकी है।

काम कम हुए, यू टर्न रहे ज्यादा

नगर निगम परिषद के दो साल पूरे काम कम फैसले ज्यादा बदले

सिटी चीफ इंदौर।
पांच अगस्त को इंदौर नगर निगम के दो साल पूरे होने जा रहे है। इन दो सालों में बड़ी उपलब्धियां कम रही और यू टर्न ज्यादा रहे। भाजपा परिषद का दूसरा साल मेयर पुष्य मित्र भार्गव के लिए ज्यादा चुनौतियों भरा रहा।

पोर्टल खराब होने के कारण राजस्व का काफी नुकसान हुआ। निगम ने शहर की जनता पर संपत्ति व जलकर का बोझ भी बढ़ा दिया। सफाई व्यवस्था भी अब कमतर हो गई है। 100 करोड़ के घोटाले के कारण भी निगम की साख गिरी।हुकमचंद मिल के मजदूरों के भुगतान, हरियाली में रिकार्ड जैसी उपलब्धियां भी रही। इंदौर के साथ पिछले साल सूरत शहर ने स्वच्छता रैंकिंग अवार्ड साझा किया था। इस साल पिछले साल की तुलना में सफाई व्यवस्था और कमजोर हो गई। शहर की बेकलेन ठीक से साफ नहीं हो पा रही है। इसके अलावा नालों में भी गंदगी ज्यादा है।

बदलना पड़े फैसले

नगर निगम परिषद द्वारा लिए गए कई फैसले भी बदलना पड़े। शहर के गांधी हॉल को निजी हाथों में सौंपने की तैयारी की गई, लेकिन इसका विरोध हो गया और मामला ठंडे बस्ते में चले गए।

शहर के चौराहों पर होर्डिंग लगाने का ठेका दिया गया। उसका भी विरोध हो गया तो चौराहों से होर्डिंग निकाले गए। रिमूवल गैंग को सेना जैसी वर्दी पहनाई गई। इसका भी जोरदार विरोध किया गया और वह फैसला भी रद्द करना पड़ा। शहर को सोलर सिटी बनाने की दिशा में भी सार्थक काम नहीं हुए। विधानसभा चुनाव के पहले शहर की आंतरिक सड़कों व पेयजल लाइन के काम जरुर कई क्षेत्रों में हुए।

अब कामों में आएगी तेजी

मेयर पुष्य मित्र भार्गव ने कहा कि इस साल लोकसभा और विधानसभा चुनाव की आचार संहिता लगी। जो बड़े काम पिछले साल मंजूर हुए। वे अब गति पकडेंगे। जलूद में सोलर प्लांट का काम भी शुरू हो चुका है। सफाई व्यवस्था ठीक है। इस साल सफाई में अष्ठसिद्धि इंदौर को मिलेगी।

वन टाइम सेटलमेंट स्कीम

25 अगस्त तक बकाया जल कर चुकाने पर मिलेगी 50 फीसदी की छूट

सिटी चीफ इंदौर।
नगर निगम 5 से 25 अगस्त तक वन टाइम सेटलमेंट स्कीम शुरू करने जा रहा है। इसके तहत बकायादार 50% राशि जमाकर 50% छूट का लाभ ले सकते हैं। 20 से 30 साल का बकाया जलकर 560 करोड़ है।

महापौर पुष्यमित्र भार्गव ने बताया कि इनमें ऐसे भी उपभोक्ता हो सकते है जिनके यहां पानी नहीं आया लेकिन बिल पहुंच गया हो। हम मान रहे है कि ऐसे उपभोक्ताओं की संख्या एक हजार तक हो सकती है। 20 दिनों तक अभियान चलाने के बाद उन सभी आपत्तियों का फिजिकल वेरिफिकेशन करवाया जाएगा।

फिर भी कर नहीं भरा तो दर्ज होगी एफआईआर

राजस्व प्रभारी एमआईसी सदस्य निरंजन सिंह चौहान ने बताया कि हमने वार्ड वाइज बकायादारों की सूची पार्षदों को दे दी है। सभी जोनल कार्यालयों और 85 वार्डों में शिविर लगाए जाएंगे। एकमुश्त राशि जमा करने पर बची राशि माफ कर दी जाएगी। महापौर ने कहा कि मार्च 2025 से एक खाता, एक भुगतान की पॉलिसी ला रहे हैं। हमारा पोर्टल बन रहा है। किसी को अलग-अलग टैक्स जमा करवाने परेशान नहीं होना पड़ेगा।

इंदौर के थाने में बदमाशों ने बेसबॉल बैट संग बनाई रील, गाना लगाया जेका बाघ का कलेजा देकर ऊपर वाला भेजा...'

इंदौर। एट्रोसिटी एक्ट के प्रकरण में वांछित दो आरोपितों ने थाने में रील बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। इसमें गाना लगाया, जेका बाघ का कलेजा देकर ऊपर वाला भेजा। इन्हें हीरानगर टीआई पीएल शर्मा ने गिरफ्तारी के लिए बुलाया था। घटना से नाराज रहवासियों ने थाने का घेरावकर पुलिस के खिलाफ नारेबाजी की है। इस दौरान भाजपा कार्यकर्ताओं से टीआई के बीच तीखी बहस हो गई। टीआई ने झल्लाते हुए कहा कि मुझे गोली मार दो तुम तो... । मैं शासकीय कार्य में बाधा डालने के मामले में कायमी कर लूंगा। लाहिया कॉलोनी निवासी अनिल कलावत की शिकायत पर हीरानगर पुलिस ने शुक्रवार को रवि प्रजापत (भाग्यलक्ष्मीनगर), सुभाष यादव (एमआर-10), युवराज गुर्जर (सुखलिया) व जीतू यादव (मंगल नगर) पर मारपीट, एट्रोसिटी एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज किया था। आरोपितों ने रेस्टोरेंट संचालक अनिल के साथ मारपीट की और जातिसूचक शब्दों का प्रयोग कर अभद्रता की। टीआई पीएल शर्मा जांच कर रहे थे। शनिवार को आरोपितों को थाने बुलाया तो बेसबाल के बल्ले के साथ आए। थाने में बेसबॉल का बल्ला लेकर बेखौफ घूमते रहे।वीडियो सोशल मीडिया पर आया तो रविवार को हंगामा मचा। काशीपुरी कॉलोनी के रहवासी थाने पहुंचे व नारेबाजी की। डीसीपी जोन-3 पंकज कुमार पांडेय की फटकार के बाद थाना हरकत में आया। आरोपितों को गिरफ्तार कर जेल भेजा है।

सब इंजीनियर के 283 पदों की वैकेंसी में कई खामियां

सिटी चीफ इंदौर।
ईएसबी (कर्मचारी चयन मंडल) द्वारा हाल ही में ग्रुप-3 के उपयंत्री (सब इंजीनियर) के 283 पदों के लिए जो वैकेंसी निकाली गई है, उसमें कई खामियां सामने आई हैं। तीन अहम विभागों ग्रामीण यांत्रिकी सेवा, जल संसाधन तथा नगरीय प्रशासन से एक भी पद शामिल नहीं किया गया है।

यही नहीं अभ्यर्थियों की तरफ से इस बात पर आपत्ति जताई गई है कि पीडब्ल्यूडी व पीएचई जैसे अहम विभागों के जो 91 पद जारी किए गए हैं, वे सभी दिव्यांग कोटे के हैं। सामान्य अभ्यर्थी के लिए एक भी पद नहीं दिया गया है। अन्य राज्यों के अभ्यर्थियों को भी मौका मिलने से प्रतिस्पर्धा बढ़ेगी। इस विज्ञापन के जरिये उपयंत्री, सर्वेयर, सहायक प्रबंधक, जूनियर इंजीनियर, यांत्रिकी सहायक, कनिष्ट तकनीशियन सहित अन्य पद भरे जाने हैं।

पिछली बार सीटों से 50 गुना हुए थे रजिस्ट्रेशन

पिछली परीक्षा दो साल पहले हुई थी, तब लगभग दो हजार पद रखे गए थे। तब 50 गुना यानी 1 लाख के आसपास अभ्यर्थियों ने आवेदन किया था, लेकिन इस बार 300 से भी कम पद हैं, उसमें भी 91 पद दिव्यांग कोटे में चले गए हैं। अभ्यर्थियों का कहना है कि दो साल बाद विज्ञापन जारी किया गया, उसमें भी इतने कम पद मिलेंगे तो कैसे नौकरी मिलेगी?

विरोध शुरू, कलेक्टोरेट पहुंचे अभ्यर्थी, बोले- यह अत्याचार है

पदों को लेकर विज्ञापन जारी होते ही बवाल मच गया है। शनिवार को इसे लेकर इंदौर के अभ्यर्थियों ने कलेक्टोरेट पहुंचकर विरोध जताया और ज्ञापन सौंपा। अभ्यर्थियों ने कहा कि तीन अहम विभागों के एक भी पद नहीं निकाले गए हैं, जबकि पीएडब्ल्यूडी व पीएचई विभाग के सभी 91 पद दिव्यांग कोटे के हैं। सामान्य अभ्यर्थियों के लिए कम से कम 100 पद अलग से इन दोनों विभाग से निकाले जाने थे।

कल से आवेदन, 12 सितंबर को परीक्षा = परीक्षा के लिए रजिस्ट्रेशन की प्रक्रिया 5 अगस्त से शुरू हो जाएगी। अभ्यर्थी 19 अगस्त तक ऑनलाइन रजिस्ट्रेशन करवा सकते हैं, जबकि 24 अगस्त तक संशोधन किया जा सकेगा। परीक्षार्थियों के लिए 500 रुपए प्रति प्रश्न पत्र शुल्क रहेगा। कैटेगरी के छात्रों के लिए यह शुल्क 250 रुपए रहेगा। परीक्षा 12 सितंबर को दो शिफ्ट में होगी। पहली शिफ्ट की परीक्षा दोपहर 9 से 12 बजे तक होगी, जबकि दूसरी शिफ्ट की परीक्षा 2.30 से 5.30 तक होगी।

धार सांसद और केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री ने पीथमपुर में कचरा निपटान का किया विरोध

यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का निपटान आबादी क्षेत्र से बहुत दूर हो

सिटी चीफ इंदौर।
इंदौर से 40 किलोमीटर दूर स्थित धार जिले के औद्योगिक क्षेत्र पीथमपुर के तारापुर गांव में यूनियन कार्बाइड का कचरा जलाने और दफनाने का विरोध शुरू हो गया है। धार से सांसद और केंद्रीय महिला व बाल विकास मंत्री सावित्री ठाकुर भी कचरे का निपटान पीथमपुर में करने के पक्ष में नहीं हैं। उन्होंने कहा है कि यूनियन कार्बाइड का विषैला कचरा पीथमपुर में नहीं जलाया जाना चाहिए।

ठाकुर का कहना है कि पीथमपुर प्रदेश का सबसे बड़ा इंडस्ट्रीयल एरिया है। रोजगार की तलाश में यहां दूसरे प्रदेशों से यहां हजारों लोग आकर बसे है। यहां विषैले कचरे का निपटान नहीं होना चाहिए। इससे काफी नुकसान होगा। मंत्री ठाकुर ने कहा कि 16 साल पहले पीथमपुर के तारापुर गांव में यूनियन कार्बाइड का 40 टन कचरा दबाया गया। उस कारण भू जल प्रदूषित हो गया। यूनियन कार्बाइड के जहरीले कचरे का निपटान क्षेत्र के किसी वीरान हिस्से में करना चाहिए, जहां दूर-दूर तक आबादी क्षेत्र न हो।

कंपनी के पास भी संसाधन कम

स्थानीय ग्रामीणों का कहना है कि कचरा निपटान के लिए गठित कमेटी ने जिस पीथमपुर वेस्ट मैनेजमेंट प्रायवेट लिमिटेड कंपनी को विषैले कचरे के निपटान की जिम्मेदारी दी थी। वह भी विवादों में है। पहले उसका नाम रामकी कंपनी था। बाद में नाम बदल दिया गया।

चाय पत्ती फैक्टरी की बात कही थी जब फैक्टरी खुली थी तो ग्राम सभा में ठहराव प्रस्ताव के दौरान गलत जानकारी ग्रामीणों को दी गई थी। तब कहा गया था कि चाय पत्ती की फैक्टरी खुल रही है। कंपनी के पास संसाधन भी कम है।

ग्रामीण हीरालाल असोलिया ने कहा कि रामकी परिसर की बाउंड्रीवॉल की ऊंचाई कम है। रात को अन्य कारखानों का दूषित कचरा यहां जलाया जाता है। तब आबादी क्षेत्र में प्रदूषित हवा फैल जाती है। सांस के मरीज व बुजुर्गों को काफी परेशानी होती है। कंपनी के पास पीथमपुर का ट्रेंचिंग ग्राउंड भी बन गया है। इससे भी क्षेत्र प्रदूषित होने लगा है।

पहले ही मिल चुकी है सीआईएसएफ के जवानों की संख्या बढ़ाने की स्वीकृति

1 अक्टूबर से 24 घंटे खुलेगा एयरपोर्ट, देर रात के स्लाट मिलेंगे

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। राजा भोज एयरपोर्ट एक अक्टूबर से 24 घंटे खुला रहेगा। एयरलाइंस कंपनियां 28 अक्टूबर से लागू हो रहे विंटर शेड्यूल में ही देर रात की उड़ानें प्रारंभ कर सकेंगी। नागर विमानन सुरक्षा ब्यूरो (बीसीएएस) के बाद डीजीसीए ने भी इसकी अनुमति दे दी है।

बीसीएएस ने एयरपोर्ट पर सीआईएसएफ के जवानों की संख्या बढ़ाने की स्वीकृति पहले ही दे दी थी। जवानों की कम संख्या के कारण ही 24 घंटे उड़ान संचालन की सुविधा में विलंब हो रहा था। अब यह औपचारिकता भी पूरी हो गई है। जवानों की संख्या चरणबद्ध तरीके से बढ़ेगी।

हाल ही में करीब 50 जवान बढ़े हैं। अब यह संख्या 170 से बढ़कर 220 तक पहुंच गई है। अक्टूबर माह तक संख्या 440 करने का प्रस्ताव है। अभी तक एयरपोर्ट सुबह छह बजे से रात्रि 10 बजे तक खुला रहता है। 24 घंटे उड़ान संचालन सुविधा शुरू होने से देर रात की उड़ानें प्रारंभ हो सकेंगी।

एयरलाइंस को स्लाट देने की पेशकश

एयरपोर्ट अथारिटी ने अब देश की सभी एयरलाइंस कंपनियों को देर रात की उड़ानों के लिए स्लाट देने की पेशकश की है। नाइट पार्किंग के लिए कंपनियों को कोई शुल्क भी नहीं देना होगा, इससे कंपनियों का लैंडिंग खर्च कम हो जाएगा। इसका लाभ यात्रियों को कम किराये के रूप में मिल सकता है। एयरपोर्ट डायरेक्टर रामजी अवस्थी के अनुसार हमने एयरलाइंस कंपनियों को 24 घंटे उड़ान संचालन सेवा शुरू होने की जानकारी दे दी है। कुछ उड़ानें 28 अक्टूबर से ही शुरू होने की संभावना है।

डिजी प्लेटफार्म सुविधा भी जल्द

एयरपोर्ट पर जल्द ही डिजी प्लेटफार्म सुविधा शुरू होगी। डिजीटल इंडिया प्रोजेक्ट के तहत देश के प्रमुख हवाई अड्डों पर यह सुविधा है।

भोपाल भी जल्द ही इस सूची में शामिल हो जाएगा। डिजी प्लेटफार्म के तहत यात्री को पहली हवाई यात्रा के समय अपनी आइडी तैयारी करानी होगी। इसके बाद यात्रियों का चेहरा ही आइडी के रूप में मान्य होगा। इसमें चेक इन प्वाइंट एवं सिक्युरिटी एरिया में लगने वाला समय कम हो जाएगा।

बीएमएचआरसी के डॉक्टरों ने मरीज को दिलाई राहत

64 वर्षीय गैस पीड़ित महिला का हार्ट वाल्व किया रिपेयर

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। भोपाल स्मारक अस्पताल एवं अनुसंधान केंद्र (बीएमएचआरसी) में हार्ट वाल्व से संबंधित बीमारियों के मरीजों के लिए हार्ट रिपेयर सर्जरी शुरू हो गई है। हाल ही में अस्पताल के कार्डियो-थोरासिक एवं वस्कुलर सर्जरी विभाग के डाक्टरों ने एक 64 वर्षीय गैस पीड़ित महिला का निशुल्क हार्ट वाल्व रिपेयर किया गया। मरीज अब स्वस्थ है और उसे अस्पताल से डिस्चार्ज कर दिया गया है।

बीएमएचआरसी के सीटीवीएस विभाग में असिस्टेंट प्रोफेसर गिरिराज गर्ग ने बताया कि यह महिला रुमैटिक हार्ट नामक बीमारी से पीड़ित थी, जिसके कारण उन्हें चलने-फिरने पर सांस फूलती थी। अस्पताल में हुई जांच में यह पता चला कि महिला के हृदय में स्थित माइट्रल वाल्व सिकुड़ गया है, जिसकी वजह से

हार्ट में रक्त का प्रवाह बाधित हो रहा है। सर्जरी के माध्यम से ही इस समस्या को ठीक किया जा सकता था।

आपरेशन के दौरान हार्ट का वाल्व देखकर यह तय किया कि वाल्व बदलने के बजाय रिपेयर करना अच्छा विकल्प है। उन्होंने बताया कि वाल्व रिप्लेसमेंट के बाद मरीज को लंबे समय तक खून पतला करने की दवाएं खाना पड़ती हैं, जबकि वाल्व रिपेयर प्रक्रिया में मरीज की दवाओं पर निर्भरता कम हो जाती है, हार्ट रिपेयर प्रक्रिया में इन्फेक्शन का खतरा कम होता है और मरीज को बार-बार इलाज के लिए अस्पताल नहीं आना पड़ता।

अधिक अनुभव और कौशल की आवश्यकता

गर्ग ने बताया कि वाल्व रिप्लेसमेंट के मुकाबले वाल्व रिपेयरमेंट करना कठिन काम है। इसमें समय अधिक लगता है, और इसे करने के लिए लंबा अनुभव और विशेष कौशल की आवश्यकता होती है। इसी वजह से अस्पतालों में वाल्व रिपेयरमेंट के मुकाबले वाल्व रिप्लेसमेंट सर्जरी ज्यादा होती है।

वाल्व के कार्य और खराब होने के कारण

हमारे हृदय में चार वाल्व एकोटिक, माइट्रल, पल्मोनरी, ट्राइकस्पिड वाल्व होते हैं। ये सभी वाल्व रक्त को सही दिशा में प्रवाहित करते हैं। हर वाल्व में फ्लैप होते हैं, जो हर बार दिल की धड़कन के साथ खुलते और बंद होते हैं। अगर वाल्व फ्लैप ठीक से खुलता या बंद नहीं होता है, जिसे वाल्व में खराबी आना कहते हैं। इन्फेक्शन होना, अधिक उम्र, हार्ट अटैक या कोई हार्ट डिजीज की वजह से वाल्व खराब हो जाते हैं। माइट्रल वाल्व डिसीज अक्सर रुमैटिक फीवर की वजह से होती है।

20 से अधिक पाठ्यक्रमों के लिए पंजीयन प्रक्रिया शुरू

139 इंजीनियरिंग कॉलेजों में 70 हजार सीटों पर दिए जा रहे प्रवेश

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। तकनीकी शिक्षा विभाग की ओर से प्रदेश के 139 इंजीनियरिंग कॉलेजों में 20 से अधिक पाठ्यक्रमों के लिए 70 हजार सीटों पर प्रवेश प्रक्रिया कराई जा रही है। इनमें जेईई मेन्स की मेरिट के अनुसार पांच अगस्त को सीटें आवंटित की जाएंगी। वहीं, 12वीं के आधार पर प्रवेश लेने वाले विद्यार्थियों के लिए भी पंजीयन प्रक्रिया शुरू की गई है। इनकी सीटें 28 अगस्त को आवंटित की जाएंगी। इनमें सबसे ज्यादा कंप्यूटर साइंस (सीएस) ब्रांच की 20 हजार सीटें हैं। विद्यार्थियों ने सबसे ज्यादा सीएस के लिए ही पंजीयन किए हैं। भोपाल के इंजीनियरिंग कालेजों में लगभग 25 हजार सीटें हैं। इमर्जिंग एरिया ब्रांच में भोपाल में करीब छह हजार सीटों पर प्रवेश दिया जाएगा। पहले जेईई (मेन) की मेरिट के तहत 31 हजार विद्यार्थियों ने पंजीयन कराया है। पहले चरण में ही क्वालिफाइंग परीक्षा 12वीं के आधार पर प्रवेश लेने वाले

विद्यार्थियों के लिए भी पंजीयन प्रक्रिया शुरू कर गई थी। अब तक 12वीं की मेरिट के आधार पर प्रवेश लेने के लिए 8,969 विद्यार्थी पंजीयन करा चुके हैं। इन्हें 28 अगस्त को सीट आवंटन किया जाएगा। एआईएमएल में सबसे ज्यादा 825 सीटें इमर्जिंग एरिया की ब्रांच में सबसे ज्यादा एक हजार 837 सीट आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस एंड मशीन लर्निंग (अकटछ) पाठ्यक्रम की है। इसके बाद डाटा साइंस में 825, साइबर सिक्योरिटी में 487, आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस एंड डाटा साइंस में 412, कंप्यूटर साइंस एंड बिजनेस सिस्टम में 337, इंटरनेट आफ थिंग्स पाठ्यक्रम में 225 और रोबोटिक्स एंड आर्टीफिशियल इंटेलीजेंस में 37 सीटें हैं। एमबीए में हुए सिर्फ 13 हजार पंजीयन एमबीए की प्रदेशभर की 58 हजार सीटों पर सिर्फ 13 हजार पंजीयन हुए हैं। पहले चरण में सिर्फ पांच प्रतिशत सीटें ही भरने की संभावना है। दूसरे चरण में ग्रेजुएशन आधार पर भी सीटों पर प्रवेश होने से आंकड़ा 40 प्रतिशत तक ही पहुंच पाएगा।

भोपाल से गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदातें बढ़ी

नर्मदा एक्सप्रेस में हजारों का सामान चोरी

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल मंडल से होकर गुजरने वाली ट्रेनों में चोरी की वारदातें बढ़ गई है। लगातार हो रही चोरियों से यात्रियों में भय का माहौल दिखने लगा है। नर्मदा एक्सप्रेस में सफर के दौरान चार यात्रियों के मोबाइल बैग समेत हजारों का सामान चोरी हो गया। जीआरपी ने सभी मामलों अज्ञात आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है। ट्रेनों से यात्रा करने वाले यात्रियों का कहना है कि अगर चोरों के हौसले इस तरह बुलंद होंगे तो ट्रेन में यात्रा करना मुश्किल हो जाएगा। रेलवे पुलिस को इस मामले में सख्त कदम उठाने की जरूरत है।

जानकारी के अनुसार नर्मदा एक्सप्रेस के जनरल कोच में आकाश गुप्ता भोपाल से अनूपपुर की यात्रा कर रहे थे। ट्रेन के भोपाल स्टेशन से रवाना होने के बाद उन्होंने देखा तो पैंट की जेब में रखा मोबाइल फोन चोरी गया था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 30 हजार रुपए बताई गई है। इसी प्रकार अभिषेक साहू अपने भाई को ट्रेन में बिठाने के लिए भोपाल रेलवे स्टेशन पहुंचे थे। भाई को बिठाने के बाद उन्होंने देखा तो पैंट की जेब में रखा मोबाइल गायब हो चुका था। चोरी गए मोबाइल की कीमत 13 हजार रुपए बताई गई है। इधर बिहार निवासी महेंद्र मंडल नर्मदा एक्सप्रेस

के जनरल कोच में इटारसी से उज्जैन की यात्रा कर रहे थे। इस दौरान उन्होंने अपना पिट्ठू बैग सीट के पास टांग दिया था। भोपाल स्टेशन आने पर देखा तो बैग गायब हो चुका था। बैग के अंदर 14 हजार रुपए कीमत का मोबाइल फोन और 7 हजार रुपए नकदी समेत अन्य सामान रखा हुआ था। इसी प्रकार इंदौर निवासी कृतिका तिवारी जनरल कोच में उज्जैन से भोपाल की यात्रा कर रही थी। भोपाल स्टेशन आने पर उन्होंने अपना बैग सीट पर रख दिया और बच्चे को बाथरूम कराने चली गई. वापस लौटकर देखा तो बैग चोरी हो चुका था। बैग में कपड़े, मोबाइल फोन, दस्तावेज और नकदी समेत अन्य सामान रखा हुआ था। जीआरपी ने सभी मामलों में अज्ञात चोरों के खिलाफ केस दर्ज कर लिया है।

पुराने मामले को लेकर पांचों बदमाशों ने वारदात को दिया अंजाम

गैंगस्टर ने घर में घुसकर प्रापर्टी डीलर को मारी गोली

सिटी चीफ भोपाल।

कोहेफिजा थाना क्षेत्र में शनिवार देर रात घर में घुसकर पांच बदमाशों ने एक प्रापर्टी डीलर को गोली मार दी। पुलिस ने अज्ञात के खिलाफ प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जांच में फिरोज अन्ना और आदिल नाम के बदमाशों के नाम सामने आए हैं। फरियादी के खिलाफ भी पहले से प्रकरण दर्ज है। दोनों पक्षों में किसी रंजिश को लेकर गोली चलाने की बात सामने आ रही है।

कोहेफिजा थाना पुलिस के अनुसार गोलू उर्फ शफीक शालीमार अपार्टमेंट कोहेफिजा में परिवार के साथ रहता है। शफीक प्रापर्टी डीलिंग का कार्य करता है। उसने पुलिस को बताया कि मैं प्रापर्टी डीलिंग का कार्य करता हूं और बीती रात काम से कहीं गया था। इस वजह से मैं देर रात घर लौटा। रात करीब तीन बजे मैं अपनी पत्नी के साथ बैठकर बातें कर रहा था, तभी पांच बदमाश घर मेंघुस आए।

पहले पीटा, फिर चलाई गोली

फरियादी ने पुलिस को बताया कि कमरे का गेट खुला होने के कारण पांचों बदमाश घर में घुस आए। अचानक बिना बताए घर में घुसने का कारण पूछा तो बदमाशों ने मारपीट शुरू कर दी। आरोपियों का तर्क

था कि पुराने मामले को लेकर मामला सुलझा क्यों नहीं रहे हो, इसके बाद फिरोज अन्ना ने गोली चला दी। गोली फरियादी की जांघ में लगी है। इसके बाद आरोपी जान से मारने की धमकी देकर मौके से फरार हो गए। घायल अवस्था में गोलू को उसकी पत्नी लेकर अस्पताल पहुंची, इसके बाद पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। आरोपी फरियादी के परिचित हैं। अभी तक दो आरोपियों फिरोज अन्ना और आदिल का नाम सामने आया है। अन्य आरोपियों के संबंध में कोहेफिजा पुलिस जानकारी जुटा रही है।

30 को सीएम हाउस का करेंगे घेराव, रणनीति की तैयार

पंचायत स्तर पर अध्यक्ष बनाएगी युवा कांग्रेस

सिटी चीफ भोपाल।

भोपाल। मध्य प्रदेश में कांग्रेस युवाओं को पार्टी से जोड़ने की रणनीति तैयार कर रही है ।मध्यप्रदेश में युवा कांग्रेस छात्र छात्राओं और युवाओं के मुद्दों को लेकर लगातार आक्रमक हैं। मध्यप्रदेश युवा कांग्रेस ने भोपाल में 30 अगस्त को होने वाले मुख्यमंत्री निवास का घेराव और आगामी रणनीति को लेकर प्रदेश स्तरीय बैठक का आयोजन किया। बैठक में युवा कांग्रेस के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता शामिल हुए वहीं बैठक में मुख्य रूप प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष जितू पटवारी राष्ट्रीय सचिव व मप्र युवा कांग्रेस प्रभारी शेष नारायण ओझा राष्ट्रीय सचिव व मप्र युवा कांग्रेस सहप्रभारी प्रियंका पटेल एवं युवा कांग्रेस के प्रदेश अध्यक्ष मितेंन्द्र दर्शन सिंह ने संबोधित किया ।

जीतू पटवारी ने संबोधित करते हुए कहा कि मध्यप्रदेश की सरकार छात्रों और युवाओं के भविष्य के खिलवाड़ कर रहीं हैं। युवा कांग्रेस को मजबूती प्रदान करने के लिए युवा कांग्रेस अब पंचायत स्तर पर भी अध्यक्ष बनाएगी जिससे मध्यप्रदेश की सभी ग्राम पंचायतों के छात्रों और युवाओं तक युवा कांग्रेस पहुंच सकेंगी। राष्ट्रीय

सचिव व मप्र युवा कांग्रेस के राष्ट्रीय शेष नारायण ओझा ने संबोधित करते हुए कहा कि युवा कांग्रेस में बेहतर कार्य करने वाले युवाओं को चिंहित कर उनको सम्मानित किया जाएगा वहीं जो पदाधिकारी काम नहीं कर रहे उनकी भी मोनिटरिंग कर तुरंत बेहतर काम करने वालों को जिम्मेदारी दी जाएंगी ।

युवा कांग्रेस में महिलाओं को बराबर की हिस्सेदारी

राष्ट्रीय सचिव व मप्र युवा कांग्रेस सह प्रभारी प्रियंका पटेल ने संबोधित करते हुए कहा युवा कांग्रेस महिलाओं को बराबर की हिस्सेदारी और सहभागिता सुनिश्चित करेंगी कांग्रेस में महिलाओं को पूरा सम्मान और भागीदारी मिलती है यह मलिकार्जुन खड़गे व राहुल गांधी की दूरदर्शी सोच और राष्ट्रीय प्रभारी कृष्णा अल्लावरू एवं अध्यक्ष श्रीनिवास बीवी की महिला कार्यकताओं को आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता का भी प्रमाण है।

कार्यकताओं की जिम्मेदारी सुनिश्चित की गई

प्रदेश अध्यक्ष मितेन्द्र दर्शन सिंह ने संबोधित करते हुए कहा मध्यप्रदेश में भाजपा सरकार से लाखों युवा पीड़ित हैं उनकी आवाज हमें उठाना भाजपा सरकार के युवाओं के भविष्य के छलावा किया प्रदेश में बेरोजगारी लगातार बढ़ती जा रहीं हैं। घोटाले पर घोटाले हो रहे व्यापम घोटाला, पटवारी भर्ती घोटाला और नर्सिंग कॉलेज घोटाला इन सभी घोटालों की वजह से सैकड़ों युवाओं ने आत्महत्या की हैं लेकिन सरकार सौ रही हैं। सरकार को जगाने के लिए सभी जिलों के पीड़ितों युवा व छात्रों के माध्यम से हमने लाखों पोस्टकार्ड करवाएं हैं। वहीं 30 अगस्त को मुख्यमंत्री निवास का घेराव करेंगे जिसमें सभी युवा कांग्रेस के पदाधिकारियों और कार्यकताओं की जिम्मेदारी भी सुनिश्चित की गई हैं ।

सम्पादकीय

'खेलो इंडिया' योजना के धन के उपयोग की सतर्क निगरानी जरूरी

फिलहाल देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी वर्षों के अभ्यास व कड़ी मेहनत के बाद पेरिस ओलंपिक में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसी बीच केंद्र की खेलो इंडिया योजना के तहत खेलों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिये राज्यों को आवंटित धन को लेकर एक अप्रिय विवाद खड़ा हो गया है। निश्चित रूप से यह अप्रिय विवाद उठने का समय असंगत है।

इसमें दो राय नहीं कि खेलों के विकास के लिये वर्ष 2016-17 में केंद्र सरकार द्वारा लायी गई योजना खेलो इंडिया खेलों के विकास की दृष्टि से एक अभिनव योजना थी। जिसका मकसद था कि देश भर में खेलों में सामूहिक भागीदारी बढ़ाने के साथ खेलों की उत्कृष्टता को भी संबल मिले। जिसके मूल में मकसद यह भी था कि देश में खेलों के बुनियादी ढांचे के निर्माण व उन्नयन में मदद मिले। जिसको लेकर केंद्र सरकार का दावा था कि यह योजना खिलाड़ियों को राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय खेल स्पधाओं में उच्चस्तरीय प्रदर्शन के लिये प्रेरित करेगी। निश्चित रूप से देश के कई राज्य राष्ट्रीय तथा अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ियों को तैयार करने के मामले में दूसरे राज्यों की तुलना में बेहतर प्रदर्शन कर भी रहे हैं। लेकिन इस योजना की सफलता तभी तार्किक हो पाएगी जब आर्थिक सहायता खिलाड़ियों के प्रदर्शन और सफलता के आधार पर तय होगी। जैसे कि देश में विभिन्न उद्योगों में स्वस्थ प्रतियोगिता विकसित करने के लिये उद्योगों की सफलता का मानक उत्पादन का स्तर तथा गुणवत्ता होती है। कमोबेश खेलों में भी स्वस्थ स्पर्धा को बढ़ाने के लिये इस तर्ज पर आर्थिक सहायता दिये जाने की उम्मीद की जाती रही है। कहने का अभिप्राय यह है कि राष्ट्रीय व अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने वाले राज्यों को आर्थिक रूप से पुरस्कृत किया ही जाना चाहिए। फिलहाल देश के विभिन्न राज्यों के खिलाड़ी वर्षों के अभ्यास व कड़ी मेहनत के बाद पेरिस ओलंपिक में अपनी किस्मत आजमा रहे हैं। इसी बीच केंद्र की खेलो इंडिया योजना के तहत खेलों के बुनियादी ढांचे के विकास के लिये राज्यों को आवंटित धन को लेकर एक अप्रिय विवाद खड़ा हो गया है। निश्चित रूप से यह अप्रिय विवाद उठने का समय असंगत है। निश्चित रूप से पेरिस ओलंपिक में पदक जीतने के लिये संघर्ष कर रहे खिलाड़ियों के मनोबल पर इसका धनात्मक प्रभाव तो नजर नहीं ही आएगा। दरअसल, कांग्रेसी नेतृत्व वाले मुखर विपक्ष और कुछ खेल पंडितों का आरोप है कि राज्यों को आर्थिक राशि वितरण में भेदभाव किया गया है। आरोप है कि केंद्र ने हरियाणा-पंजाब जैसे राज्यों के साथ भेदभाव किया है। दलील है कि पेरिस ओलंपिक में भाग लेने गये भारतीय खिलाड़ियों के दल में संख्या के हिसाब से पांचवां हिस्सा हरियाणा से है। लेकिन राष्ट्रीय-अंतर्राष्ट्रीय स्पधाओं मे धूम मचाने वाले हरियाणा के हिस्से में खेलो इंडिया योजना के तहत महज 66.6 करोड़ रुपये ही आए हैं। वहीं दूसरी ओर गुजरात, जिसके चुनिंदा खिलाड़ी ही पेरिस ओलंपिक में खेलने गए हैं, उसे खेलो इंडिया योजना के तहत 426 करोड़ रुपये की राशि आवंटित की गई। उत्तर प्रदेश को भी योजना के तहत 438 करोड़ रुपये मिले। विपक्षी दलों का कहना है कि उत्तर प्रदेश से सिर्फ छह ही एथलीट ओलंपिक में भाग लेने गए हैं। वहीं पुरुष हॉकी में दबदबा रखने वाले पंजाब के हिस्से में खेलों के संरचनात्मक विकास के लिये सिर्फ 78 करोड़ रुपये ही आए हैं। विपक्षी दल के राजनेताओं का कहना है कि केंद्र सरकार ने इस योजना के अंतर्गत धन आवंटन के लिये किन मापदंडों का पालन किया गया, उसे सार्वजनिक करने की जरूरत है। निस्संदेह, देश के सबसे अधिक जनसंख्या वाले उ.प्र. जैसे राज्य के लिये अधिक आर्थिक सहायता तार्किक हो सकती है। लेकिन केंद्र सरकार को यह भी स्पष्ट करना चाहिए कि इस राशि के आवंटन में क्या भौगोलिक क्षेत्र धनराशि बांटने का आधार रहा या जनसंख्या का आकार? यदि कोई अन्य वजह है तो उसका स्पष्टीकरण किया ही जाना चाहिए। इसमें दो राय नहीं कि किसी भी स्थिति में हर तरह की विसंगति को दूर करने के लिये इस योजना की गहन समीक्षा की जरूरत महसूस की जा रही है। सतर्कता की जरूरत है कि किसी भी प्रकार का भ्रष्टाचार या लालफीताशाही किसी भी हालत में खेलों इंडिया की पवित्र भावना के साथ खिलवाड़ न कर सके। इसके अलावा यह भी जरूरी है कि विभिन्न राज्यों को इस योजना के तहत मिले धन के उपयोग की भी सतर्क निगरानी की जाए। जिससे खेलों के अनुकूल वातावरण बनाने में मदद मिल सके।

भारतीयता से जुड़े हुए विषयों का समावेश बढ़ाता है आत्म गौरव का भाव

इसे युगांतरकारी कदम कहा जाना चाहिये या अपनी भूमि, अपनी मिट्टी से जुड़ने का एक महत्वपूर्ण व महत्वाकांक्षी प्रयास। नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति को जिस प्रकार से भारतीय ज्ञान परंपरा के अध्ययन-अध्यापन, लेखन-पठन पर विशेष रूप से केंद्रित किया गया है वह अपने आप में ह्रस्वयं को पहचानने का एक प्रयास हैह्व। हम पिछले दशकों में अंग्रेजों की दी हुई शिक्षा पद्धति में हम स्वयं को ही भूल चुके थे। यूजीसी द्वारा नई युवा, छात्र पीढ़ी को भारतीय ज्ञान परंपरा से जोड़ने के अनेक सार्थक व सकारात्मक प्रयास किए जा रहें हैं। विगत दो सौ वर्षों में भारत में चल रही शिक्षा पद्धति ने हमसे हमारा राष्ट्रीय गौरव भाव छीनकर हमें आत्म ग्लानि, व हीनता के भाव से भर दिया था। अब विषय चाहे कोई भी हो, सभी में भारतीयता से जुड़े हुए विषयों का समावेशन आत्म गौरव के भाव को बढ़ाता है।

मैकॉले की शिक्षा पद्धति से हमारी विमति-असहमति दशकों पूर्व से चल रही थी। असहमति के स्वर थे किंतु इस असहमति का निराकरण नहीं हो पा रहा था। गणित, चिकित्सा विज्ञान, योग विद्या, शस्त्र निर्माण, रसायन विज्ञान, वैमानिकी, कृषि विज्ञान, कला, साहित्य, संगीत, वास्तुकला, मूर्तिकला, धातु विज्ञान, वस्त्र निर्माण, न्याय, दर्शन, खगोल विज्ञान, ज्योतिष आदि आदि कई विषयों में हमारी समृद्ध, बलशाली व गौरवशाली विरासत हमें मिली है। हमें हमारी विरासत से सतत वंचित किया गया था। शिक्षाविद् सतत इस बात को कह रहे थे कि वर्तमान शिक्षा पद्धति हमें दीन-हीन स्थिति में ले जा रही है, किंतु उनके स्वर अनसुने ही रह रहे थे। मैकॉले की शिक्षा पद्धति ने हमारी भारतीय ज्ञान परंपरा को समाप्त करने के संपूर्ण प्रयास किए थे। अंग्रेजों ने ये सब इसलिए किया क्योंकि वे जानते थे कि इस ज्ञान परंपरा के प्रवाह चलते रहने से वे हमें अपना गुलाम नहीं बना पायेंगे। स्वयं के हीनता बोध को समाप्त करने हेतु भी अंग्रेजों ने भारतीय ज्ञान परंपरा को नष्ट किया। ईश्वर आज्ञा देता है कि विद्वान पुरुष और स्त्रियों को चाहिए कि विद्यार्थी कुमार व कुमारी को विद्या देने के लिए गर्भ की भाँति धारण करें जैसे क्रम क्रम से गर्भ के मध्य देह बढ़ती है वैसे अध्यापक लोगों को चाहिए कि अच्छी अच्छी शिक्षा से ब्रह्मचारी कुमार व कुमारी को श्रेष्ठ विद्या में वृद्धि करें तथा उनका पालन करें वह विद्या के योग से धर्मात्मा और पुरुषार्थ युक्त होकर सदासुखी हो। ऐसा अनुष्ठान सदैव करना चाहिएह्व। वैदिक वाङ्मय में शिक्षक अर्थात् आचार्य शब्द के संदर्भ में व्याख्या है- आचार्य वह जो आचरण की शिक्षा दे, सदाचार दे, दुराचार से दूर रखे। महर्षि दयानंद सरस्वती जी ने शिक्षा शब्द को भी परिभाषित करते हुए कहा है - शिक्षा वह जिससे मनुष्य की आत्मा, धर्मात्मा बने, व्यक्ति जितेन्द्रिय हो।

अमल में लाना होगा नियंत्रण रेखा के पार माकूल सैन्य कार्रवाई

जब देश की सरहदें आतंक के मरकज पाकिस्तान तथा तोहमत व फरेब के तालिब-ए-इल्म चीन जैसे शातिर मुल्कों से लगती हों तो जरूरत से ज्यादा सहनशीलता तथा शांति का राग अलापना कायरता का प्रतीक साबित हो सकता है।

नौ जून 2024 को भारत की नवनिर्वाचित हुकूमत का शपथ समारोह चल रहा था। प्रधानमंत्री के साथ नई सरकार के मरकजी वजीर हलफ उठा रहे थे। उसी दिन पाक प्रशिक्षित आतंकियों ने जम्मू के रियासी क्षेत्र में श्रद्धालुओं से भरी एक बस पर गोलीबारी करके दस अकीदतमंदों को मौत के घाट उतार दिया था। जाहिर है उस आतंकी हमले के जरिए पाक खूफिया एजेंसी आईएसआई ने हिंदोस्तान की नई हुकूमत के साथ मुल्क के पूरे सियासी निजाम को पैगाम नसर कर दिया कि जम्मू कश्मीर राज्य में आतंकवाद अभी शांत नहीं हुआ है, बल्कि दहशतगर्द व आतंक के पैरोकार भारत को दहलाने के लिए सरहद के उस पार तैयार बैठे हैं। छह जुलाई 2024 को कश्मीर के कुलगाम में सेना की स्पेशल फोर्स के दो जवान आतंकी हमले में बलिदान हो गए। आठ जुलाई 2024 को कठुआ में आतंकियों ने सेना के वाहन पर हमला कर दिया जिसमें पांच जवान वीरगति को प्राप्त हो गए। 16 जुलाई 2024 को डोडा जिला में आतंकियों के साथ मुठभेड़ में राष्ट्रीय राइफल्स के एक अधिकारी सहित तीन जवानों की शहादत हो गई। गत जुलाई में जब जम्मू कश्मीर राज्य में सेना के जवान आतंकियों को जहन्नुम की परवाज पर भेजकर बलिदान हो रहे थे, उस वक्त मुल्क की सियासत देश के कई राज्यों में हो रहे उपचुनावों में मशगूल थी। सियासी रहनुमां जीत का जश्न मना रहे थे।

चुनावों में जीत व शिकस्त पर आकलन चल रहा था। देश में बड़े उद्योगपतियों के शादी समारोह मीडिया चैनलों की सुर्खियां बने थे। नतीजतन देश की सुरक्षा में मुस्तैद सैनिकों की शहादतें इंतखाबी शोर में दब कर रह गईं। 24 जुलाई 2024 को कुपवाड़ा सेक्टर में आतंकियों से मुठभेड़ के दौरान राष्ट्रीय राइफल्स के शहीद जवान दिलावर खान का संबंध हिमाचल से था। मजहब के नाम पर वजूद में आए पाकिस्तान ने जम्मू कश्मीर को हथियाने के लिए चार बड़े युद्धों को अंजाम दिया। मगर भारतीय सैन्य पराक्रम के आगे पाक सेना को चारों युद्धों में जिल्लत भरी शिकस्त झेलनी पड़ी। जम्मू कश्मीर को दहलाने के लिए पाकिस्तान आतंकी मंसूबों को लगातार अंजाम दे रहा है। राष्ट्र के स्वाभिमान के लिए देश के सैनिक एक मुद्दत से अपना सर्वस्व न्योछावर कर रहे हैं। सैनिकों की शहादतों का सिलसिला बदस्तूर जारी है। मगर पाकिस्तान के प्रति भारत की क्रिकेट खेलने की दीवानगी कम नहीं हो रही। गुजिस्ता जुलाई महीने में जम्मू कश्मीर में पाक परस्त आतंकियों से लोहा लेकर देश के जवान शहीद हो रहे थे। उसी दौरान भारत के सीनियर क्रिकेटर वर्ल्ड चैंपियनशिप ऑफ लीजेड्स में पाकिस्तान के साथ क्रिकेट खेलने में मशगूल थे। यह कारकर्दगी पाक परस्त आतंक से लडकर शहीद हो रहे सैनिकों के बलिदान का अपमान है। सवाल यह है कि क्रिकेट बड़ा है या राष्ट्र? आतंकवाद का निर्यात करने वाले मुल्क के साथ खेल व मुजाकरात कितना मुनासिब है? देश के हुक्मरानों को विचार करना होगा। दूसरी विडंबना यह है कि लोकतंत्र के नाम पर देश पर शासन करने वाले सियासी रहनुमाओं का मुल्क के सामरिक क्षेत्र में धरातल पर कोई योगदान नहीं है और न ही जमीनी स्तर पर कोई अनुभव। इसीलिए जम्मू कश्मीर, पूर्वोत्तर सहित देश के कई राज्यों में हो रही आतंकी घटनाओं तथा पाक पोषित आतंक पर संसद में कभी चर्चा नहीं होती। बल्कि जम्हूरियत की पंचायतों के तमाम इजलास हंगामे की भेंट चढ़ जाते हैं। हजारों फीट के फराज पर मौजूद दुनिया का सबसे ऊंचा रणक्षेत्र सियाचिन ग्लेशियर व अरुणाचल तथा सिक्किम जैसे राज्यों की संवेदनशील सरहदें सियासी नजर-ए-करम को मोहताज हैं। भारत द्वारा चार युद्धों में शिकस्त झेलकर आलमी सतह पर बेआबरू हो चुके पाक सिपाहसालारों ने भारत के खिलाफ आतंक को अपने मुल्क की कौमी पॉलिसी का हिस्सा बना लिया है।

पाकिस्तान की सियासी कयादत, सेना व आईएसआई आतंकी रहनुमाओं की खादिम बन चुकी है। दुनिया के मोस्ट वांटेड आतंकियों के लिए सबसे महफूज पनाहगाह पाकिस्तान है। लेकिन सन 1971 में पाकिस्तान को तकसीम करके पाक का भूगोल बदलने वाली विश्व की सर्वोत्तम भारतीय थलसेना उस तारीख को दोहराने की पूरी सलाहियत रखती है। बशर्ते चुनावी तशहीर के दौरान पाकिस्तान के टुकड़े करने वाले सियासी रहनुमां तथा जम्हूरियत की पंचायतों में जाति, मजहब व आरक्षण जैसे मुद्दों पर गर्जने वाली सियासी जमातें पाक परस्त आतंकवाद से निपटने में भी एकजुट होकर इच्छाशक्ति दिखाएं। आतंकी हमलों के एहतजाज में धरने-प्रदर्शन करना व मरकजी हुकूमत को तनकीद का निशाना बनाना या पाकिस्तान का पुतला जलाने से आतंकवाद नहीं थमेगा। जुबानी तौर पर आतंक की मजम्मत करना या पाकिस्तान को धमकी देने से दहशतगर्दी पर लगाम नहीं लगेगी। पाकिस्तान को उसी की भाषा में शिद्दत भरा जख्म-ए-जिगर देकर दर्द का एहसास कराना होगा। बेगुनाह सैनिकों के शव सरहदों से तिरंगे में लिपट कर ताबूतों में कब तक आते रहेंगे? देश के नागरिकों को महफूज रखने के लिए लोगों के घरों के चश्मो-चिराग कब तक बलिदान होते रहेंगे?

राष्ट्र के स्वाभिमान के लिए आगाज-ए-जवानी में अपना सर्वोच्च बलिदान देने वाले सैनिकों को कब तक श्रद्धांजलि दी जाती रहेगी? फिदा-ए-वतन हो रहे सैनिकों के परिजनों के धैर्य की परीक्षा कब तक होती रहेगी? राष्ट्रीय सुरक्षा में मुस्तैद सैन्य बलों के सब्र का इम्तिहान कब तक होता रहेगा? मुल्क के रहबर इन सवालों का जवाब दें। स्मरण रहे जब देश की सरहदें आतंक के मरकज पाकिस्तान तथा तोहमत व फरेब के तालिब-ए-इल्म चीन जैसे शातिर मुल्कों से लगती हों तो जरूरत से ज्यादा सहनशीलता तथा शांति का राग अलापना कायरता का प्रतीक साबित हो सकता है। अतः सैन्य विकल्प पर विचार करने का नहीं, बल्कि कार्रवाई करने का वक्त है। अलबत्ता जम्हूरियत के हुजरों में बैठकर सियासत की तशवीह घुमाने से मुल्क का दिफा नहीं होगा। पाक पोषित आतंक का फन कुचलने के लिए नियंत्रण रेखा के पार माकूल सैन्य कार्रवाई को अमल में लाना होगा। बलिदान हो रहे सैनिकों की शहादतों का रक्तरंजित इंतकाम ही शूरवीरों को सच्ची श्रद्धांजलि होगी।

जाति के सवाल पर छिड़ी सियासी जंग के राजनीतिक मायने समझने की जरूरत

वैदिक या सनातन सभ्यता-संस्कृति में जो जाति कार्यकुशल जनसमूह की कार्यदक्षता की निशानी समझी जाती थी और राष्ट्रीय उत्पादकता में अपना महत्वपूर्ण योगदान देती आई थी, वही जब लोकतांत्रिक या संवैधानिक सभ्यता-संस्कृति में व्यापक विवाद का वाहक बनकर दिन-प्रतिदिन अनुत्पादक प्रतीत होने लगे, तो देश व समाज के प्रबुद्ध लोगों का चिंतित होना स्वाभाविक है। इसलिए आज संसद में जाति के सवाल पर भाजपा नीत एनडीए और कांग्रेस नीत इंडिया ब्लॉक के बीच जो सियासी जंग छिड़ी हुई है, उसके पीछे के राजनीतिक मायने को समझने और आमलोगों को समझाने की जरूरत है।

पहला, चूंकि राजनीतिक दलों के लिए जाति अब सामाजिक ध्रुवीकरण का औजार और सियासी गोलबंदी का हथियार बन चुकी है, इसलिए उसे सकारात्मक नजरिए से देखे जाने की जरूरत है, न कि नकारात्मक तरीके से। हां, अब जाति के परिप्रेक्ष्य में वह मुद्दा उठाने की जरूरत है, जिससे राजनीतिक दल और उसके चतुरसुजान नेता अब तक बचते आए हैं। जैसे- साधुओं की जाति, वर्णसंकर लोगों की जाति और अंतरधार्मिक विवाह रचाने वाले लोगों और उनकी संततियों के धर्म का मुद्दा आदि सबसे अहम है।

दूसरा, जातीय या धार्मिक आरक्षण को भी सकारात्मक दृष्टिकोण से देखे जाने की दरकार है, न कि नकारात्मक तौर पर। क्योंकि गुलाम भारत से लेकर आजाद भारत में जाति और धर्म को लेकर जितने भी कानून बनाए गए, वो सब अंतर्विरोधाभाषों से भरे पड़े हैं। जिसकी वजह से उनमें स्पष्टता का अभाव तो है ही, लोकतंत्र की मूल भावना स्वतंत्रता, समानता और बंधुत्व भी नदारत है। इस स्थिति के लिए हमारे राजनेता और नौकरशाह दोनों ही जिम्मेदार हैं। लेकिन इस स्थिति को बदलने का साहस किसी भी राजनीतिक दल में नहीं दिखा, जिससे राष्ट्रीय हित और पेशेवर गुणवत्ता गहरे तक प्रभावित होती आई है जिससे वैश्विक मुकाबले में भारत पिछड़ता चला आया।

तीसरा, जाति और धर्म के आधार पर बने कानूनों में व्याप्त विसंगतियों और इससे प्रभावित हो रहे सामान्य जनजीवन के खिलाफ स्वतः संज्ञान न लेकर न्यायविदों ने भी कालीदासी विद्वत्ता का ही परिचय दिया है। जिस देश में वह लोकतांत्रिक न्याय दे रहे हैं, वहीं पर जब कानूनी व न्यायिक प्रावधान व्यक्ति विशेष की स्वतंत्रता, समानता व बंधुत्व की पारस्परिक भावना को मुंह चिढ़ाने लगें, तो समझा जा सकता है कि मत समानता रहने के बावजूद पीड़ित व प्रभावित व्यक्ति कितना असहाय महसूस कर रहा होगा। खास बात यह कि इस देश में जाति और जातीय आरक्षण की जो अवधारणा तय की गई है, सवर्ण-पिछड़ा-दलित-आदिवासी और उनकी गरीबी के अलावा अल्पसंख्यक-बहुसंख्यक के जो मानदंड तय किये गए हैं, वो तार्किक कम, प्रतिशोधी ज्यादा प्रतीत होते हैं। लेकिन क्या मजाल कि कोई इन्हें गलत ठहरा दे या उनमें संशोधन की बात करे। इससे तो यही लगता है कि संविधान निमार्ताओं से लेकर संविधान के कथित संरक्षकों और संसद में पिछले लगभग 8 दशक से बैठ रहे अधिकांश माननीयों ने जनतांत्रिक कुएं में पड़ी भांग पी ली है, जिन्हें तर्क और तथ्य से कोई वास्ता नहीं, बस पददलित जनमानस पर निरंतर बिहंसते जा रहे हैं!

चतुर्थ, कुछ यही हाल राष्ट्र में जनमत निर्धारण करने में अमूल्य सहयोग देने वाली समग्र मीडिया इकाइयों और उसके अदूरदर्शी सम्पादकों का भी है, जिन्होंने वस्तुनिष्ठ पत्रकारिता की बजाय पक्षधरता भरी रिपोर्टिंग की और नीर-क्षीर विवेक वाक विद्या को सियासतदानों के मन के मुताबिक जैसे तैसे परिभाषित किया। इससे जहां जनता गफलत में रही, वहीं संवैधानिक सिपहसालार मजे में! परन्तु कोढ़ में खाज यह कि जाति/सम्प्रदाय जैसे जनहित के मुद्दे जहां के तहां मील के पत्थर की तरह यथावत बने रहे। इसलिए हमारे राजनेता अपने मन के मुताबिक इनकी तरह तरह की व्याख्या करने में सफल हो जाते हैं, जिससे राष्ट्रहित प्रभावित होता है।

पांचवां, फिलवक्त भारतीय संसद के निम्न सदन लोकसभा में कांग्रेस सांसद और नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी पर निशाना साधते हुए भाजपा सांसद और पूर्व केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने जातीय जनगणना के मुद्दे पर जो कुछ भी कहा, वह यदि सही नहीं है तो ज्यादा गलत भी नहीं है! लिहाजा, इस मुद्दे पर आधुनिक सोच विकसित करनी चाहिए। साथ ही कतिपय संवैधानिक/कानूनी कमियों को दूर किया जाना चाहिए, ताकि कभी भारतीय समाज को माला की तरह जोड़ने वाली जाति प्रथा आरक्षण उत्प्रेरित सामाजिक टूट की वजह न बन जाये। जैसा कि महसूस किया जा रहा है। इसलिए आरक्षण के आधार को जाति-धर्म-भाषा नहीं बल्कि आर्थिक आधार का किया जाना चाहिए, इसे रोटेशनल बनाकर सबको लाभान्वित किया जाना चाहिए, जो न्यायिक तर्क/वितर्क के मद्देनजर आसान नहीं लगता है।

छठा, उल्लेखनीय कि 30 जुलाई 2024 मंगलवार को अनुराग ठाकुर ने राहुल गांधी पर तंज कसते हुए कहा कि, जिन्हें अपनी जाति के बारे में भी नहीं पता है वो जाति जनगणना की बात करते हैं। यह बात एक हद तक सही भी प्रतीत हो रही है! इसलिए ऐसे लोगों की जाति व धर्म के लिए भारत में स्पष्ट कानूनी प्रावधान तय किए जाने की जरूरत है, जो तर्क और तथ्य की कसौटी पर खरा हो। क्योंकि वैदिक जाति या धर्म की अवधारणा पूरी तरह से वैज्ञानिक है, जिसकी उपेक्षा संवैधानिक भारत में होना आम बात बन चुकी है।

सातवां, राहुल गांधी पर सदन में हमला बोलते हुए अनुराग ठाकुर ने इसके पहले ये भी कहा था कि असत्य के पैर नहीं होते हैं, जिसके चलते ये कांग्रेस के कंधे पर सवारी करता है। जैसे मदारी के कंधे पर बंदर सवारी करता है, वैसे ही राहुल गांधी के कंधे पर असत्य का बंडल होता है। तभी तो अनुराग ठाकुर की इन टिप्पणियों पर सदन में हंगामा बढ़ गया। इसलिए सीधा सवाल है कि अनुराग ठाकुर के इस बयान के बाद सदन में जो जमकर हंगामा शुरू हो गया और कांग्रेस के सांसद वेल में आकर प्रदर्शन करने लगे, वह कितना जायज है? क्या इसे टाला नहीं जा सकता है। यदि जनप्रतिनिधिगण हंगामा करने के बजाय तत्सम्बन्धी कानून बनाने की मांग करें तो ऐसे विरोधाभासों को टाला जा सकता है।

आठवां, संयुक्त विपक्ष हंगामा करने के बजाय उन लोगों की एक अलग जातीय कोटि व धार्मिक कोटि बनाने की मांग करे, जिनके माता-पिता भिन्न-भिन्न जातियों या सम्प्रदायों से है, क्योंकि उनकी संतान वर्णसंकर हुई। चूंकि भारतीय समाज पितृसत्तात्मक समाज है, इसलिए यहां पिता की जाति या धर्म को स्वीकार करने की परम्परा प्रचलित है, जो तर्क और तथ्य की कसौटी पर पूरी तरह से गलत है। क्योंकि इससे सम्बन्धित जाति/धर्म का मूलगुण दूषित/भ्रमित होता है। इसी तरह से साधुओं की भी एक अलग जाति बनाने की जरूरत है। नौवां, आप मानें या न मानें, किंतु वैदिक साहित्य में ऐसे लोगों के लिए ही वर्णसंकरता की परिकल्पना मौजूद है, जिसकी चतुराई और उसके संभावित दुष्परिणामों के बारे में वैदिक साहित्य द्वारा पहले ही आगाह किया जा चुका है। हालांकि, तथाकथित प्रगतिशील वामपंथी लोगों के पास स्वस्थ सामाजिक-सांस्कृतिक चिंतन का अभाव होने के चलते न तो वर्णसंकर लोगों की अलग जाति तय हुई और न ही अंतरधार्मिक शादी-विवाह करने वालों के लिए अलग धर्म तय किया गया। जबकि भारतीय समाज में इन्हें कहीं दोगलवा तो कहीं दुगामिया कहे जाने की परंपरा प्रचलित है, जिसे अबतक कानूनी वर्गीकरण हासिल नहीं है। इसलिए उम्मीद है कि इस बहस के बाद इनका भी कानूनी वर्गीकरण किया जाना चाहिए और ऐसे तमाम लोगों को जातीय आरक्षण से वंचित किया जाना चाहिए या फिर किस कोटि से दिया जाए, उसे स्पष्ट किया जाना चाहिए।

दसवां, सच तो यह है कि संसद के मॉनसून सत्र के दौरान जातीय जनगणना को लेकर अनुराग ठाकुर के बयान पर जो संग्राम मचा हुआ है, वह आगामी विधानसभा चुनावों व यूपी उपचुनाव के दृष्टिगत विपक्ष की एक सुनियोजित सियासी रणनीति है। इन सबके पीछे विपक्षियों की मौके पर चौका लगाने वाली रणनीति काम कर रही है, जिसके चलते 10 साल बाद ही सही पर वह संसद में मजबूत होकर लौटा है। तभी तो संयुक्त विपक्ष ने अनुराग ठाकुर के बयान को लेकर सदन में जमकर बवाल काटा। लोकसभा की कार्यवाही शुरू होते ही विपक्षी सदस्य वेल में आ गए और नारेबाजी शुरू कर दी। विपक्ष के हंगामे के बीच प्रश्नकाल की कार्यवाही जारी रही। विपक्ष के नारों का शोर बढ़ा और विपक्षी सदस्य वी वांट कास्ट सेंसस के पोस्टर जब लहराने लगे, तब स्पीकर ओम बिरला ने उन्हें टोका। हंगामे के कारण सदन की कार्यवाही भी कुछ देर के लिए स्थगित करनी पड़ी। ग्यारहवां, बीजेपी सांसद कांग्रेस पार्टी के सांसदों की हरकत की निंदा करते हुए अनुराग ठाकुर के बयान को सही बता रहे हैं। बीजेपी भी जातीय जनगणना मुद्दे को लेकर कांग्रेस पर हमलावर है। किरेन रिजिजू ने कांग्रेस पर देश में अराजकता भड़काने का आरोप लगाया। वहीं, भाजपा सांसद अरुण गोविल ने भी राहुल गांधी की समझ पर सवाल उठाया है। मेरठ से भाजपा सांसद अरुण गोविल ने तो यहां तक कह दिया कि राहुल गांधी के बारे में कुछ भी कहना अजीब सा है। मुझे समझ नहीं आता कि वह बात को किस तरह से लेते हैं, किस तरह से समझते हैं क्योंकि वह बात को कहीं और ले जाते हैं।

दरबार साहिब अमृतसर व अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन कर लौटी नूरपुर बिजनौर की संगत

देवबंद पहुंचने पर जोरदार स्वागत

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
देवबंद, दरबार साहिब अमृतसर व अन्य ऐतिहासिक गुरुद्वारों के दर्शन कर लौटी नूरपुर बिजनौर की संगत का देवबंद पहुंचने पर जोरदार स्वागत किया गया। इस दौरान गुरूद्वारा साहिब जो बोले सो निहाल सत श्री अकाल के जयकारों से गूंज उठा। गुरूद्वारा कमेटी के प्रधान सेठ कुलदीप कुमार ने कहा कि नूरपूर से प्रत्येक वर्ष संगत को नि:शुल्क धार्मिक यात्रा करा रहे जत्थेदार वरयाम सिंह राजू की सेवा

बेमिसाल है। उन्होंने देवबंद की संगत को सेवा का अवसर देने के लिए नूरपुर की संगत का आभार जताया। जत्थेदार वरयाम सिंह राजू ने देवबंद कमेटी का आभार जताते हुए कहा कि प्रत्येक वर्ष सावन माह में नूरपुर से दो बसों में संगत को दरबार साहिब के दर्शन कराए जाते है। गुरू महाराज अपने आप ही ये सेवा ले रहे है। अरदास उपरांत गुरू का अटूट लंगर बरताया गया। इस दौरान श्याम लाल भारती, चंद्रदीप सिंह, वीरेंद्र सिंह उप्पल, सचिन छाबड़ा, हरविंदर सिंह बेदी, राजपाल सिंह, अजय निझारा, जसबीर सिंह, हरजीत सिंह, सिद्धार्थ सिंह, अमरजीत सिंह, गुरजोत सिंह आदि मौजूद रहे।

शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय परिसर में जलभराव की समस्या का हुआ स्थाई समाधान

सम्प वेल बनाकर पम्प के द्वारा निकाला जाएगा पानी

गौरव सिंघल । सिटी चीफ ।
सहारनपुर, जिलाधिकारी सहारनपुर मनीष बंसल के निर्देशों के अनुपालन में माँ शाकुम्भरी देवी विश्वविद्यालय परिसर में जलभराव रोकने के दृष्टिगत त्वरित निस्तारण के लिए गठित एक टीम द्वारा निरीक्षण किया गया। टीम द्वारा अवगत कराया गया कि आज विश्वविद्यालय परिसर में जलभराव नहीं था तथा भविष्य के दृष्टिगत जल निकासी के संबंध में स्थाई समाधान के लिए यह निर्णय लिया गया कि सम्प वेल बनाकर पम्प के द्वारा

पानी नाली के माध्यम से ढमोला नाले में गिराया जाए तथा 240 मीटर नाली विश्वविद्यालय परिसर में बाउण्ड्रीवाल के समानान्तर तथा 260 मीटर नाली बाउण्ड्रीवाल के बाहर किसानों के खेती की मेढ के किनारे-किनारे 1.5 मीटर चौडाई विश्वविद्यालय द्वारा भूमि अधिकृत करके बनाई जाए। निरीक्षण के दौरान उपजिलाधिकारी सदर युवराज सिंह, लोनिवि से अधिशासी अभियन्ता आर0के0 सिंह एवं महिपाल सिंह, सहायक अभियन्ता आकाश उत्तम, विश्वविद्यालय से अवर अभियन्ता विवेक पुण्डीर, परामर्शी सोनू पाठक एवं रवि भारद्वाज, ठेकेदार की ओर से भारत ग्रोवर उपस्थित रहे।

कटनी जिले में भारी बारिश से बाढ़ की स्थिति

SDRF टीम ने चलाया सफल रेस्क्यू ऑपरेशन

सुनील यादव । सिटी चीफ ।
कटनी, कटनी जिले में लगातार बारिश के चलते शहरी इलाकों के निचली बस्तियों में जल भराव की स्थित निर्मित हो गई वही शहर के सभी अंडर ब्रिज और कटनी नदी के ऊपर बने कई पुलों के ऊपर पानी जा रहा था वही बाढ़ में फंसे प्रभावितों को निकालने एस डी आर एफ की टीम की मेहनत उस समय सार्थक साबित हुई जब नायब तहसीलदार शिवभूषण सिंह की मौजूदगी में चलाये गये रेस्क्यू ऑपरेशन के बाद कई लोगो लोगों को राहुलबाग क्षेत्र और रपटा पुल नदी क्षेत्र के अलावा गटर घाट बाढ़ में फसी एक महिला को नाव की सहायता से सुरक्षित बाहर निकाला गया। वही सुबह के वक्त गाटर घाट पर पहुंचे कटनी कलेक्टर दिलीप कुमार यादव ने सभी अधिकारी और कर्मचारियों के अलावा नगर निगम प्रशासन को सख्त हिदायत दी है की वे बाढ़ जैसी स्थिति में फसे लोगो को बाहर निकाल उन्हे सुरक्षित जगह में रखा जाए और जब तक जल स्तर नही घटता है उनके खाने पीने की व्यवस्था को जाए। मीडिया कर्मियों से बात करते हुए उन्होंने यह भी बताया की वे बाढ़ जैसी हर स्थिति निपटने के लिए

पूरा जिला प्रशासन के साथ नगर निगम प्रशासन लगा हुआ है।

सहारनपुर में शंटिंग के दौरान बेपटरी हुई यात्री गाडी

एक डिब्बा पटरी से उतरा, लापरवाही पर सांसद इमरान मसूद बिफरे

गौरव सिंघल । सिटी चीफ
सहारनपुर, आज दोपहर करीब सवा एक बजे 01619 दिल्ली-शामली यात्री गाडी सहारनपुर रेलवे स्टेशन के पास माल गोदाम पर पटरी से उतर गई। स्टेशन अधीक्षक अनिल त्यागी के अवकाश पर होने के कारण कार्यवाहक अधीक्षक और आरपीएफ के पुलिस निरीक्षक मोहित त्यागी ने बताया कि हादसे के दौरान ट्रेन खाली थी और धुलाई के लिए जा रही थी कि उसी दौरान उसका एक डिब्बा पटरी से उतर गया। किसी तरह की जनहानि नहीं हुई है। सूचना मिलने पर रेल अधिकारी और कर्मचारी मौके

पर पहुंच गए और उतरे ट्रेन के डिब्बे को सुचारू करने के काम में जुट गए। मौके पर पहुंचे सहारनपुर के कांग्रेस सांसद इमरान मसूद ने इस घटना पर गहरा रोष जताया। बोले कि संसद के चालू सत्र के दौरान रेलवे के कई हादसे हुए है और रेल मंत्री अश्वनी वैष्णव अपनी पीठ थपथपाने में लगे है। जिस तरह से आए दिन ट्रेने बेपटरी हो रही है उससे यात्री ट्रेनों में बैठने से डरने लगे है।

कलेक्टर ने किया स्ट्रांग रूम का निरीक्षण

निरीक्षण के दौरान ईव्हीएम नोडल, अन्य निर्वाचन कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी तरूण भटनागर ने मान्यता प्राप्त राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों की उपस्थिति में आज कलेक्टर कार्यालय परिसर में बनाए गए स्ट्रांग रूम का (बिना ताला खोले) मासिक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान संयुक्त कलेक्टर एवं उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्रीमती अमृता गर्ग ने कलेक्टर को स्ट्रांग रूम की सुरक्षा व्यवस्था के बारे में विस्तृत जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान ईव्हीएम नोडल प्रतीक खरे, राजनैतिक दल के प्रतिनिधि विष्णुप्रताप सिह, रवींद्र वर्मा, राकेश वर्मा, अरफाना बेगम, राकेश कन्नौजिया सहित अन्य निर्वाचन कार्यालय के कर्मचारी एवं अधिकारी उपस्थित रहे।

मूसलाधार लगातार बारिश से जन जीवन भी प्रभावित

दो राज्यों को जोड़ने वाली सीधी जनकपुर सड़क बंद

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ ।
शहडोल, जिले में लगातार हो रही तेज बारिश की वजह से नदियां उफान पर है। इसका असर न केवल जन जीवन पर पड़ता नजर आ रहा है बल्कि लगातार बारिश के कारण कई मार्गो मे आवाजाही बंद हो गई है। इसमें मुख्य रूप से मध्य प्रदेश और छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाले कई भीतरी मार्ग बंद भी हो गए हैं। तेज बारिश की वजह से बीते दिनों ब्यौहारी सूखा मार्ग में पुलिया टूट गई, जिस कारण शुक्रवार की शाम से वह मार्ग बंद हो गया था । अब शनिवार की शाम मध्य प्रदेश छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला तीन अंदरूनी मार्ग बंद हो गए है। जिसमे जिले के सीधी थाना क्षेत्र के ओदारी नदी पुल के ऊपर से बह रही है जिससे यह मार्ग बाधित हो गया है। जानकारी लगने के बाद पुलिस मौके पर पहुंची है और आवागमन बंद कर दिया गया है। बताया गया कि यह मार्ग जयसिंहनगर से सीधी होते हुए छत्तीसगढ़ के जनकपुर को जोड़ता है। इस मार्ग में कई यात्री बसें चलती हैं जो अब प्रभावित है। शनिवार की शाम नदी पुल के ऊपर से बह रही है जिसकी वजह से यह मार्ग को पुलिस ने बंद कर दिया है, आने व जाने वाले लोगों को रोका जा रहा है।

यहाँ उफान पर नदी.....

इसी प्रकार बुढार थाना क्षेत्र के चौकी केशवाही अंतर्गत तराई ढोल गांव के समीप एक छोटी नदी उफान में है पुल के ऊपर से पानी बह रहा है। जिसकी वजह से मार्ग को बंद कर दिया गया है, यह मार्ग छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला एक भीतरी मार्ग है। वहीं चौकी केशवाही के सेमर पानी गांव के समीप छोटी पुलिया

उफान में है, यह छत्तीसगढ़ को जोड़ने वाला एक भीतरी मार्ग है जहां से छत्तीसगढ़ से एमपी और एमपी के लोग छत्तीसगढ़ आने-जाने में इस मार्ग का इस्तेमाल करते हैं। लेकिन शनिवार की दोपहर से पुलिया के ऊपर से पानी बहने की वजह से मार्ग अवरुद्ध है।

आधा सैकड़ा गाँव प्रभावित ....

इस तरह ब्यौहारी के सूखा गांव के समीप तेज बारिश की वजह से पुल के ऊपर से बह रहे पानी से पुलिया टूट गई ,जिसकी वजह से 50 गांव का संपर्क टूटा हुआ है। वहीं शनिवार की शाम नोढिया गांव में समधीन नदी उफान में है। पुल से चार फीट ऊपर पानी चल रहा है। यह मार्ग पपौंध जाने का मुख्य मार्ग है। नदी के ऊपर से पानी चलने के कारण मार्ग पूरी तरीके से अवरुद्ध हो गया है, पुलिस बल लगाया गया है और आने व जाने वाले लोगों को पहले ही रोक लिया जा रहा है। जिले की अधिकांश नदियां उफान पर है तथा इन नदी के ऊपर बने पुल डूब चुके है। आमजन से ऐसे मार्गो मे आवाजही न करने की अपील की गई है।

बेहतर स्वास्थ्य सुविधाओं के लिये राज्य सरकार कोई कसर नहीं छोड़ेगीः मुख्यमंत्री डॉ. यादव

शाजापुर में कृषि आधारित फूड इंडस्ट्री लगाई जायेगी

भगवान दास बैरागी । सिटी चीफ ।
शाजापुर, / मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रदेश में स्वास्थ्य सेवाओं के विस्तार के लिए राज्य सरकार कृत-संकलित है। इसी कड़ी में आज शाजापुर में 20 करोड़ रुपये की लागत से निर्मित 10 बिस्तरीय मातृ-शिशु चिकित्सालय का लोकार्पण किया गया है। अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त इस चिकित्सालय में जच्चा और बच्चा को उच्च स्तरीय सेवाएँ मिल सकेंगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव शाजापुर में मातृ-शिशु चिकित्सालय का लोकार्पण कर संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि शाजापुर जिले के विकास में कोई कोर-कसर नहीं छोड़ी जायेगी। जिले में नर्मदा जी का जल आ चुका है। अब पार्वती-काली सिंध-चंबल लिंक परियोजना का लाभ भी शाजापुर को मिलेगा। परियोजना से 13 जिले लाभान्वित होंगे। किसानों को 24 घंटे पानी और बिजली की उपलब्धता मिलेगी, जिससे जिले में फसलों की उत्पादकता में वृद्धि होगी। मुख्यमंत्री ने शाजापुर की उप तहसील मक्सी को तहसील बनाने की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने चिकित्सालय परिसर में पौधा भी रोपा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि किसानों का जीवन बेहतर बनाने के लिए ही सरकार बनी है। किसान अपने पराक्रम से फसलों का उत्पादन करता है। शाजापुर में आलू-प्याज खरीदने के लिए पूरे देश के लोग आते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि सरकार के गठन के बाद लगातार प्रयास किया है कि प्रदेश में किसानों को लाभ मिले और इस दिशा में किसानों ने अपनी उत्पादकता भी अच्छी बढ़ाई है। सरकार का प्रयास है कि प्रदेश में रोजगार के संसाधन बढ़ाए जायें, इसके लिए औद्योगिक विकास की भी आवश्यकता है। औद्योगिक विकास दर

बढ़ाने के लिए उत्पादकता बढ़ाने के प्रयास किये जा रहे हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि शाजापुर में कृषि आधारित फूड इंडस्ट्री भी लगाई जायेगी। प्रदेश में कृषि उत्पादकता तो बहुत अच्छी हो गई है, अब प्रदेश में रोजगार स्थापित करने के लिए औद्योगिक उत्पादकता में भी वृद्धि लाना है। विगत दिनों उज्जैन में संपन्न हुई इन्वेस्ट समिट में संभाग के साथ प्रदेश में औद्योगिक विकास पर भी चर्चा हुई। तमिलनाडु के उद्योगपतियों से भी चर्चा हुई है और उनसे प्रदेश में उद्योग लगाने के लिए आग्रह किया गया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने शाजापुर में कृषि आधारित फूड इंडस्ट्री लगाने की घोषणा की, इससे किसानों को उनकी फसलों का वाजिब दाम मिलेगा और यहां के उत्पाद देश-विदेश में भी जायेंगे, जिससे क्षेत्र में किसानों की उन्नति होगी। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि हमारी संस्कृति दुनिया की श्रेष्ठ संस्कृति है। हमारी अच्छाई हम दुनिया में बांटने के लिए निकले हैं। हमारे तीज-त्यौहार घर में मनाने के लिए नहीं है। प्रत्येक तीज त्यौहार समाज के साथ सबके बीच आनंद महसूस करते हुए मनाए जाने की जरूरत है। हमने इसकी परंपरा प्रारंभ की है। सावन के माह में रक्षाबंधन के अवसर पर बहनों के लिए राज्य सरकार 10 अगस्त को सिंगल क्लिक से प्रदेश की 1 करोड़ 39 लाख बहनों के खाते में प्रतिमाह मिलने वाले 1250 रूपये के अतिरिक्त 250 रूपये उपहार स्वरूप प्रदान करेगी। इसके लिए प्रदेश के 25 हजार से अधिक स्थानों पर कार्यक्रम आयोजित कर रक्षाबंधन का त्यौहार भी मनाया जायेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि नारी सशक्तिकरण की दिशा में प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में अनेक कदम उठाएं जा रहे हैं। महिलाओं को सभी क्षेत्रों में भागीदारी देने के प्रयास जारी हैं। इसी तरह अनुसूचित जाति एवं जनजाति के विकास के लिए भी केन्द्र सरकार द्वारा अनेक कदम उठाए गए हैं। हमारे यहां गुरू-शिष्य की परंपरा है। गुरू शिष्य को अंधेरे से प्रकाश की ओर ले जाता है। हमारी संस्कृति विश्वगुरू के नाम से दुनिया में जानी जाती है। किसी देश पर कब्जा करने का हमारा इतिहास नहीं है। हमारा अच्छाई बांटने का इतिहास है। हजारों वर्ष पूर्व हमारे देश में तक्षशिला, नालंदा जैसे अनेक विश्वविद्यालय थे, जो मानवता के लिए जाने जाते हैं। भगवान कृष्ण ने उज्जैन में शिक्षा प्राप्त की है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रत्येक विधायक अपनी विधानसभा क्षेत्र को विकास का मॉडल बनाये। उन्होंने कहा कि बजट साढ़े तीन लाख करोड़ रूपये का है, इसे 5 साल में बढ़ाकर 7 लाख करोड़ का करना है। विकास के मामले में लगातार आगे बढ़कर देश में मध्यप्रदेश को अग्रणी बनाया जायेगा।

विशाल राखी भेंट मुख्यमंत्री डॉ. यादव को शाजापुर में मातृ-शिशु चिकित्सालय के लोकार्पण समारोह में लाड़ली बहनों द्वारा तैयार की गई लगभग 20 फिट की विशाल राखी भेंट की गई। साथ ही बड़ी संख्या में बहनों ने राखी भी बांधी। मुख्यमंत्री ने लाड़ली लक्ष्मी योजना की हितग्राहियों को प्रमाण-पत्र प्रदान किये। 51 ग्रामीण महिला स्वसहायता समूहों को 1 करोड़ 14 लाख रूपये का ऋण वितरण प्रमाण पत्र भी भेंट किये गये। कार्यक्रम के दौरान 5 किसानों ने कच्ची घानी का तेल, गाय का घीं, नीमाड़ी मिर्च पाउडर, शाजापुर का प्रसिद्ध लाल प्याज, बारामासी सफेद जामुन का पौधा मुख्यमंत्री को भेंट किया। सांसद श्री महेन्द्र सिंह सोलंकी एवं विधायक श्री अरूण भीमावद ने भी कार्यक्रम को संबोधित किया। समारोह में प्रदेश के कौशल विकास एवं रोजगार राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री गौतम टेटवाल, कालापीपल विधायक श्री घनश्याम चन्द्रवंशी, जिला पंचायत अध्यक्ष श्री हेमराज सिंह सिसोदिया, श्री अशोक नायक, नगरपालिका अध्यक्ष श्री प्रेम जैन, उपाध्यक्ष श्री संतोष जोशी, स्पेशल डीजी पुलिस श्री उपेन्द्र जैन, संभागायुक्त श्री संजय गुप्ता, पुलिस महानिरीक्षक श्री संतोष कुमार सिंह, कलेक्टर सुश्री ऋजु बाफना, पुलिस अधीक्षक श्री यशपाल सिंह राजपूत सहित गणमान्य नागरिक एवं जनप्रतिनिधिगण अधिकारी सहित बड़ी संख्या में किसान, लाड़ली बहनें और नागरिक उपस्थित रहे। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने श्रद्धांजलि दी मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने शाजापुर पहुँचकर विधायक श्री अरुण भीमावद के छोटे भाई स्व. श्री दीपक भीमावद के आकस्मिक निधन पर श्रद्धांजलि देते हुए श्रद्धा सुमन अर्पित किए। इसके उपरांत मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पार्षद श्री प्रेम यादव एवं नगरपालिका पूर्व उपाध्यक्ष श्रीमती रेखा मीणा के निवास पहुंचकर पार्षद श्री प्रेम यादव की बड़ी माताजी स्व. श्रीमती गीता बाई यादव एवं श्रीमती रेखा मीणा के पति स्व. श्री अमृतलाल मीणा के निधन पर शोक व्यक्त कर श्रद्धांजलि दी।

एसडीएम कार्यालय से गायब है खनिज वसूली की फाईल

आरटीआई से हुआ खुलासा कलेक्टर एवं कमिश्नर से कार्यवाही की मांग

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । ब्योहारी, एस डी एम कार्यालय ब्योहारी भ्रस्टाचार का गढ़ बना चुका है आलम यह है कि वंहा पदस्थ अधिकारी कर्मचारी चंद चांदी के सिक्के के लालच मे अपना ईमान बेचते नजर आ रहे है जो कलेक्टर और कमिश्नर के आदेश को भी गायब करने से पीछे नहीं हटते है जिसका खुलासा सूचना अधिकार के तहत प्राप्त जानकारी से हुआ है।

क्या है मामला – ग्राम पंचायत भमरहा प्रथम एवं ग्राम भन्नी मे क्रेसर पत्थर के अवैध उतखन्न पर कार्यवाही करते हुए खनिज विभाग द्वारा म. प्र. राजस्व संहिता 1959 की धारा 247(7) के तहत प्रकरण तैयार कर वसूली बनाई गयी थी जिसकी वसूली हेतु कार्यालय कलेक्टर खनिज विभाग द्वारा पत्र क्र./19/खनिज /2013/1253 शहडोल दिनांक 01/नवंबर /2013 को पत्र अनुविभागीय अधिकारी कार्यालय ब्योहारी भेजा गया था जिसकी वसूली आज दिनांक तक नहीं की गयी और उक्त फाइल को खनिज माफियाओ से सांठ गांठ कर गायब कर दिया गया है जिसके लिये लोगों द्वारा कलेक्टर और कमिश्नर से जांच करा कर कार्यवाही की

मांग की गयी है।

सूचना अधिकार के तहत हुआ खुलासा – कार्यालय कलेक्टर द्वारा वसूली हेतु जो पत्र 01/11/2013 को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व कार्यलय ब्योहारी भेजा गया था उस पर क्या कार्यवाही की गयी है जानकारी लेने हेतु लाल बहादुर सिंह नेटी द्वारा सूचना अधिकार के तहत जानकारी हेतु आवेदन 12/02/2024 को अनुविभागीय अधिकारी राजस्व के कार्यालय मे दिया गया था किन्तु निश्चित समयावधि मे जानकारी न दिये जाने के कारण प्रथम अपील का आवेदन कलेक्टर शहडोल के यंहा प्रेसित किया गया था जिसके बाद कार्यालय सहायक लोक सूचना अधिकारी / तहसीलदार तहसील ब्योहारी द्वारा जानकारी उपलब्ध करायी गयी है। जो जानकारी तहसीलदार द्वारा उपलब्ध कराया गया है उसमे उक्त बात का लेख है कि कार्यालय के वर्तमान अभिलेखों का परीक्षण किया गया परीक्षण उपरांत पाया गया कि खनिज अधिकारी शहडोल द्वारा प्रक्र0/19/खनिज/ 2013/ 1253 शहडोल 01 नवंबर 2013 उपलब्ध होना नहीं पाया जाता है। उपलब्ध न होने की दशा में जानकारी नहीं दी जा सकती है।

फाइल को जमी खा गयी या आसमान – विचारणीय प्रश्न यह है कि कार्यालय कलेक्टर खनिज शहडोल द्वारा जो पत्र अनुविभागीय अधिकारी राजस्व ब्योहारी को भेजा गया था उस पर तत्कालीन अनुविभागीय अधिकारी राजस्व द्वारा कार्यवाही करते हुए पत्र क्र./932/प्रवा./2017 ब्योहारी दिनांक 14/08/2017 को नायब तहसीलदार वृत्त खांड को अधिरोपित अर्थ दण्ड की राशि संबंधित जनो से वसूली करने एवं की गयी कार्यवाही से अवगत कराने के लिये दिया गया था तो फिर लोगों मे यह सवाल बना हुआ है कि वह खनिज वसूली की महत्वपूर्ण फाइल कंहा गयी उसे जमी खा गया या फिर आसमान निकल गया? इस बात को संज्ञान मे ले कर कमिश्नर और कलेक्टर को कार्यवाही करने की मांग लोगों द्वारा की गयी है।

रपटा पार करते ढाबा कर्मचारी बहा...दूसरे दिन मिली लाश

3 फीट ऊपर तक बह रहा था पानी

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । शहडोल, जिले में लगातार बारिश के चलते नदी नाले उफान पर है। छोटे नालों में अधिक उफान देखा जा रहा है, जिसमें घटनाएं भी हो रही है। ब्योहारी थाना क्षेत्र में ऐसी ही एक घटना में ढाबा कर्मचारी बह गया, जब रात के समय वह उसे पार करने का प्रयास कर रहा था। नाले के ऊपर करीब तीन फीट पानी बह रहा था, जिसकी वजह से वह बह गया। उसकी लाश दूसरे दिन सुबह देखी गई।जानकारी के अनुसार ब्यौहारी थाना क्षेत्र के वन बिहार ढाबा में मजदूरी का काम कर घर लौट रहा एक युवक रपटा के तेज बहाव में बह गया जिसकी लाश रविवार की सुबह मिली है। बरकछ गांव में मृतक युवक के घर के ठीक पहले एक छोटी पुलिया (रपटा) है, जब युवक ढाबा से काम कर घर की ओर जा रहा था, तब रपटा उफान में था ,साइकिल सवार युवक रामसेवक पटेल 32 वर्ष पिता जानकी पटेल तीन फीट पानी के बहाव में साइकिल से छोटी पुल को पार कर रहा था, इस दौरान वह उसमें बह गया और उसकी मौत हो गई है। रविवार की सुबह

जब पुल में पानी कम हुआ और लोगों ने देखा तो पुल के नीचे कुछ दूरी पर साइकिल और एक लाश दिखी, युवक की लाश के समीप ही साइकिल पड़ी थी जिसकी पहचान रामसेवक के रूप में हुई है। घटना की जानकारी ग्रामीणों के द्वारा पुलिस को दी गई जानकारी लगने के बाद ब्यौहारी पुलिस घटनास्थल पहुंची और मामले पर जांच शुरू कर दी है। दरअसल ब्यौहारी क्षेत्र में तीन दिनों से लगातार बारिश हो रही है जिसकी वजह से कई नदी नाले उफान में हैं। बीते दिनों सुखा जाने वाले मार्ग में पुल के ऊपर से बह रहे पानी की वजह से पुल क्षतिग्रस्त हो गया ,जिससे 50 गांव का संपर्क मुख्यालय से टूट गया है। पपौंध मार्ग भी बीती शाम से बंद हो गया है, तेज बारिश की वजह से समधिन नदी ऊफान में थी, जिसके बाद मार्ग को बंद कर दिया गया है। पुलिस ने स्टॉपर लगाकर पुलिस बल की तैनाती की है ,और आने व जाने वाले लोगों को रोका जा रहा है ,वहीं जिला प्रशासन ने लोगों को जागरुक करते हुऐ कहा कि पुल के ऊपर से पानी चलने पर उसे पार ना करें, लेकिन लोग मानने को तैयार नहीं है जिसकी वजह से ऐसी घटनाएं घट रही हैं।

इनका कहना है।

युवक काम कर घर लौट रहा था तभी छोटी पुल के ऊपर पानी था, साइकिल में सवार युवक उसे पार कर रहा था, जिस दौरान वह पुल से नीचे गिर गया और तेज बहाव में बह गया, जिससे उसकी मौत हुई है। रविवार की सुबह ग्रामीणों ने शव को देखकर मामले की जानकारी दी है। पुलिस टीम मौके पर भेज कर मामले की जांच कराई जा रही है, फिलहाल मामले पर मर्ग कायम किया गया है।

अरुण पाण्डेय, प्रभारी
थाना ब्योहारी

लक्ष्मण कि शिकायत पर जांच में पहुंचा राजस्व अमला...रहा गहमा-गहमी का माहौल

शौच का गंदा पानी व गांव समाज से हुक्का पानी बंद को लेकर हुई थी शिकायत

लकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । लालबर्रा, जनपद पंचायत अन्तर्गत आने वाली ग्राम पंचायत बम्हनी में निवासरत लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवारवालों को निजी जमीन से शौचालय का गंदा पानी कि निकासी को लेकर विरोध करना बहुत भारी पड़ गया है सरपंच बासुंतराव ढबाले व उसके करीब एक दर्जन साथियों के द्वारा आवेदक व उसके परिवारवालों को विरोध करने पर गांव समाज से बंद कर उनका हुक्का पानी सब बंद करवा दिया गया है। जिस वजह से लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवारवालों को गांव में किसी भी तरह से सहयोग नहीं किया जा रहा है ना ही उसको किसी भी कार्यक्रम में बुलाया जा रहा है। जिसकी शिकायत आवेदक लक्ष्मण तुमसरे ने पुन: कलेक्टर जनसुनवाई में 2/7/2024 को कलेक्टर से कि और न्याय कि गुहार लगाते हुए सरपंच व उसके साथियों पर कार्यवाही कि मांग कि थी। तथा बालाघाट कलेक्टर डॉ गिरीश मिश्रा जी ने आवेदन कि जांच कराने कि बात कही थी, तथा समाज से बंद करने पर शिकायत कि जांच एसडीएम से करवाकर एफआईआर दर्ज करवाने कि बात भी कही थी। वहीं आवेदक कि शिकायत पर राजस्व अमला 31जुलाई 2024 दिन गुरुवार को दोपहर में लक्ष्मण के घर में पहुंचे जिसमें अरविंद वरकड़े पटवारी, सुर्या शुक्ला पटवारी, बसंत धाकड़े कोटवार तथा बासुत राव बढ़ाले सरपंच, बसंत चौरे पंचायत सचिव, बसंत शर्मा स्थाई पटेल सहित अन्य दो दर्जन ग्रामीण उपस्थित रहे इन लोगों कि उपस्थिति में जांच समिति ने सबसे पहले शिकायत पत्र को पढ़कर सुनाए फिर स्थल पंचनामा बनाये तत्पश्चात आवेदक व अनावेदक लोगों के लिखीत बयान लिए गए है। तथा अधिकारियों को अवगत कराये जाने कि बात कही गई है।वहीं पटवारी से जांच को लेकर हमने उनका पक्ष रखने को कहा तो उन्होंने मना कर दिये है।

शौच का गंदा पानी व समाज से बहिष्कृत को लेकर कर रहा शिकायत ज्ञात हो कि आवेदक लक्ष्मण तुमसरे व उसके भाई ने सरपंच व अन्य लोगों कि शिकायत 24/5/2024 को कलेक्टर महोदय बालाघाट,व श्रीमान पुलिस अधीक्षक महोदय बालाघाट से कि थी तथा 11/6/2024 को श्रीमान कलेक्टर महोदय को जनसुनवाई में कि थी व सीएम हेल्पलाइन पर भी शिकायत दर्ज करवाई गई थी जिसका शिकायत नंबर 27243317 है वहीं न्याय कि गुहार लगाते हुए 2/7/2024 दिन मंगलवार को कलेक्टर जनसुनवाई में शिकायत कि गई थी जिसमें उल्लेख था कि आवेदक स्वयं कि निजी जमीन पर वर्षों से निवासरत है तथा उक्त जमीन से शौचालय का गंदा पानी कि निकासी को लेकर विरोध करते हुए आ रहा था।

पुर्व में भी हो चुकी शिकायत कि जांच....? ज्ञात हो कि आवेदक कि शिकायत पर अधिकारियों के द्वारा पहले भी जांच कि जा चुकी है लेकिन शिकायतकर्ता जांच अधिकारियों कि जांच से संतुष्ट नहीं हैं इस वजह से वह लगातार शिकायत कर रहा है तथा 13 जून को शिकायत पर राजस्व अमला व पुलिस प्रशासन मौका स्थल पर पहुंचकर पंचनामा कार्यवाही भी किये थे तथा शौचालय का गंदा पानी निकासी को लेकर मना करें थे लेकिन सरपंच ने उसी दिन ही पंचायत में गांव वालों कि अलग से बैठक लेकर लक्ष्मण तुमसरे व उसके परिवारवालों को गांव समाज से बंद करवा दिया तथा 22 जून को पुन: गांव वाले एकत्रित हुए जहां पर लालबर्रा तहसीलदार सजंय बारासकर, हल्का पटवारी, पीसीओ व पुलिस प्रशासन व गांव वाले मौजूद रहे उनकी मौजूदगी में ही सरपंच ने दबाव पुर्वक जबरदस्ती नाली बनवा दिया जिससे शौचालय का गंदा पानी मेरे घर के अंदर से जा रहा है। जिससे परिवार वाले परेशान हैं तथा जानवरों को भी खतरा है सहित अन्य और भी बातें उस आवेदन पत्र पर उल्लेख है।

इनका कहना है।

मेरी शिकायत पर आज पटवारी लोग उपस्थित हुए हैं तथा सरपंच व अन्य लोगों ने बैठक लेकर मुझे व मेरे परिवार वालों को गांव समाज से बंद कर दिये थे और आज तक हमसे कोई भी बात नहीं कर रहा है ना ही हमें दुकान से कोई सामान दे रहा है और आज जब पटवारी साहब जांच करने पहुंचे हैं तो सरपंच सरसार छूट बोल रहा है कि इसे समाज से बंद नहीं किए हैं कहकर और अभी चरवाहा ने पटवारी जी के सामने बताया कि गांव वालों के मना करने पर इनकी भैंसी नहीं चराता कहकर इन लोगों पर कार्यवाही कि जाये।

लक्ष्मण तुमसरे शिकायकर्ता
ग्राग पंचायत बम्हनी

लक्ष्मण तुमसरे के द्वारा जो आरोप लगाये गये थे इस प्रकार से गांव में कोई विवाद नहीं है सारे प्रकार से लेन देन चल रहे हैं आवेदक अपना काम बनाने के लिए जो गांव कि भाषा में कहते हैं ना कि,अपना काम हो जाये किसी का काम बने या मत बने वह अपने काम को सम्पन्न करने के चक्कर में गांव में कुछ दिनों पहले विवाद हुआ था जिसकी वजह से नाली को बंधक कर दिए थे उस वजह से मकान डूब गए थे उन्होंने आज तक कार्यवाही को आगे नहीं बढ़ाये है हमारे ग्राम में प्राचीन समय से हमारे यहां लगभग 20 से 30 साल से बोल चाल कि भाषा में मिटींग होती हैं कि इस काम को मत करो बाकि किसी को लिखीत में प्रताड़ित करने के लिए कोई कार्यवाही नहीं किया गया है।

गज्जू दौने
वार्ड पंच बम्हनी

लक्ष्मण तुमसरे के सारे आरोप निराधार व गलत है इसको गांव समाज से बंद नहीं किया गया है तथा वर्षों से इसी जगह से पानी जा रहा है गांव वालों कि बात नहीं मान रहा है,और अभी उसने नाली बंद कर दिया है।

बासुत राव ढबाले सरपंच
ग्राम पंचायत बम्हनी

ग्रीन सिटी में 15 लाख की चोरी चोरो ने चटकाया ताला

अल्ट्राटैक एचआर के खली घर को बनाया निशाना

मोहम्मद मुनीर । सिटी चीफ । शहडोल, कोतवाली थाना क्षेत्र के ग्रीन सिटी कालोनी में लाखो की चोरी हुई है। अल्ट्राटैक के एचआर विनोद कुमार त्रिपाठी के घर यह चोरी की वारदात हुई, घटना की जानकारी लगने के बाद कोतवाली टीम मौके पर पहुंची और जांच शुरू कर दी है। मामला लाखो की चोरी का होने की वजह से घटना स्थल एसपी खुद पहुंचे और मामले की बारीकी से पड़ताल करने के थाना प्रभारी को निर्देश दिए हैं।संभागीय मुख्यालय के बुढ़ार रोड़ स्थित ग्रीन सिटी कालोनी में लाखो की चोरी हो गई है। किराए पर रहे अल्ट्राटैक के एचआर प्रबंधक विनोद कुमार त्रिपाठी के आवास में चारी हुई है।चार दिन पहले त्रिपाठी सपरिवार अपने निजी काम से लखनऊ गए हुए थे। शुक्रवार की सुवह जब वापस लौटे तो देखा की घर का ताला टूटा है और अंदर रखे सोने-चांदी के आभूषण चोरी हो गए हैं। कुछ नगदी भी था, लेकिन आभूषण अधिक थे,जिनकी कीमत पुलिस लगभग 15 लाख आंका हैं।पुलिस के अनुसार ग्रीन सिटी में रविकरण सिंह के मकान में

नीचे के तल में त्रिपाठी किराए से रहते हैं। घटना के समय मकान मालिक ऊपर थे लेकिन उन्हें भनक नहीं लगी। पुलिस ने बताया गुरुवार की रात लभगभग 3.30 से 4.20 के बीच घटना हुई और एक नकाबपोश चोर सीसीटीवी में दिखा, जिसकी तलाश की जा रहा है। हालांकि देर साम तक पुलिस चोर को लताश नहीं पाई थी। जिस कालोनी में चोरी हुई है, वह काफी घनी और चारो तरफ से घिरी है। हर गेट पर गार्ड तैनात है और हर जाने-जाने पर नजर रखते है,इसके बाद चोर आसानी से अपना काम करके चला गया। कालोनी के हर घर में लोग रहते हैं, लेकिन अंदर घुसे चोर के बारे में जब पुलिस पहुंची तभी लोगों को पता चला है।कोतवाली थाना प्रभारी राघवेंद्र तिवारी ने बताया कि अल्ट्राट्रेक कोयला कंपनी विचार के एचआर के घर में चोरी हुई है।वे बाहर गए थे, इसी बीच चोर ने रैकी की होगी और मौका पाते ही घटना को अंजाम दिया है। शहर के कई स्थानों में बीते दिनो कई बड़ी चोरियां हुई लेकिन काफी समय गुजर गया और पुलिस चोरों को पकड़ने में नाकाम साबित हो रही है।युवक पर जानलेवा हमला करने वाले बदमाशों को कोतवाली पुलिस ने अब तक गिरफ्तार नहीं किया है। कोतवाली में इन दिनों अपराधियों के हौसले बुलंद है आए दिन चोरी मारपीट चेन स्नेचिंग की घटनाएं सामने आ रही है लेकिन कोतवाली पुलिस अपराध रोकने में नाकाम साबित हो रही है।

भूमिअधिग्रहण के विरोध में लाखों की संख्या में जिला मुख्यालय अलीराजपूर पहुंचे ग्रामीण

जमीन नीलामी रोकने की मांग, 9 अगस्त को जन आंदोलन की चेतावनी

रिज़वान शेक | सिटी चीफ | अलीराजपूर, जिले के छोटी खट्टालि, बड़ी खट्टालि, बलदमूंग,खेरवां,एवं जोबट क्षेत्र के आसपास के गावों की जमीन भारत सरकार द्वारा कोल इंडिया,नाम की कम्पनी को ग्रेफाइड,निकालने के नाम पर हजारों हेक्टियर जमीन देने के विरोध में आदिवासी समाज के आह्वान पर सर्व समाज ने मिलकर अलीराजपूर बस स्टैंड पर एक सभा का आयोजन किया उसके पश्चात सभी रैली के रूप में अलीराजपूर के मुख्य मार्ग से होते हुवे जमीन नही देंगे , सरकार तेरी तानाशाही नही चलेगी नही चलेगी, नारो के साथ कलेक्टर कार्यालय पर पहुंचे जंहा पर कलेक्टर महोदय के बीमार पड़ जाने के कारण छुट्टी पर होने के कारण प्रभारी कलेक्टर महोदय जिला पंचायत ष्ट. श्व.ह्र अभिषेक चोदरी को जयस के जिला पदाधिकारी अरविंद जी कनेश,विक्रम जी चौहान, नितेश जी आलावा,मालसिंह जी तोमर,दादा विलेश जी खराड़ी, सरदार जी परमार ,वीरेंद्र जी बघेल, नीलेश जी डावर, कैलास जी सोलंकी,केरमसिंह जी चौहान, केरमसिंह जी जमरा,विक्रम जी बामनिया, कोतवाल समाज के जोबट ब्लाक अध्यक्ष पातालसिंह जी बघेल, विजय जी कनेश भिलसिंह जी बघेल एवं कांग्रेस के महेश जी पटेल जिला पंचायत सदस्य श्रीमती रिंकुबाला-लालसिंह डावर जिला पंचायत सदस्य श्री ठाकुरसिंह जी अजनार,रतलाम से श्री लक्ष्मन जी डिंडोर,श्री बापूसिंह जी डामोर,जनपद सदस्य सुनील चौहान जी भगत जी भिंडे सहित दर्जनों सरपंच एवं सर्व समाज मिलकर ज्ञापन सौपकर कहा आने वाले विस्व आदिवासी दिवस 9 अगस्त के पूर्व भूमिअधिग्रहण की जो भी जमीन नीलामी की प्रकिया चल रही उसके निरस्तीकरण का आदेश सरकार जारी करें।अगर आदेश 9 अगस्त के पूर्व सरकार जारी नही करती है। तो 9 अगस्त विस्व आदिवासी दिवस को पूरे अलीराजपूर जिले के सर्व समाज मिलकर एक विशाल जन आंदोलन करने की चेतावनी दी गयी। और जनक्रोश के कारण कोई जनहानि होती है। तो जिसकी सम्पूर्ण जवाबदारी शासन प्रशासन की रहेगी।

बैहर हालोन नदी में पुलिया निर्माणाधीन के नाम पर आठ दिनों सेआवागमन पूरी तरह से बाधित

आवागमन में बाधा बना क्षतीग्रस्त पुल,राहगीरों ने विभाग पर लगाया लापरवाही का आरोप

लाकेश पंचेश्वर । सिटी चीफ । बालाघाट, बैहर तहसील में पढ़ने वाली हालोन नदी इन दिनों आठ दिनों से क्षत-विक्षत स्थिति में है जिस वजह से राहगीरों,वाहन चालकों को आवागमन में काफी असुविधा हो रही है जबकि पुल के आस-पास कि सड़क के भी हाल बेहाल है जबकि गर्मी में ही विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने जहां पर भी इस तरह के हालात हैं अवगत कराने कहा था ताकि बरसात के पहले ही इस तरह के क्षतिग्रस्त पुल का निर्माण कार्य किया जा सके और बारिश में आवागमन में किसी प्रकार कि असुविधा राहगीरों को ना हो यदि समय पर इस पुल कि हालात सुधर जाती तो अभी बरसात में इस तरह के हालात निर्मित नहीं होते,यह तो विभाग कि सरासर लापरवाही दिखाई दे रही है जो समय पर अपने अधिकारियों को अवगत नहीं कराये है और अभी भारी बरसात होने कि जानकारी सामने आ रही है तो ऐसे समय में निर्माण कार्य असम्भव ही लगता है और कर्मचारियों द्वारा अपने अधिकारों को अवगत कराने का यह प्रयास किया जायेगा कि बरसात कि वजह से पुल निर्माण का कार्य सम्भव नहीं है और अपने कर्तव्यों से पीछे हट जायेंगे। लेकिन तकलीफ तो आने जाने वालों को ही होगी वैसे भी आठ दिनों से इस पुल में आवागमन नहीं हो रहा है जबकि इस मार्ग से हर दिन चारपहिया वाहन, दो पहिया वाहन व राहगीरों का अधिक आवागमन होता है यह व्यस्तम मार्ग है। वहीं जानकारी अनुसार स्कूलों में पढ़ने वाले बच्चे भी क्षतिग्रस्त पुल होने कि वजह से स्कूल नहीं जा पा रहे हैं जिससे उनको शिक्षा से भी वंचित रहना पड़ रहा है,हर तरफ से परेशानियों का ही सामना करना पड़ रहा है। लेकिन अभी भी विभाग कि निंद नहीं खुली है लापरवाही कि सारी हदें इन्होंने पार कर दिये है।

समस्या का समाधान नहीं होने से क्षेत्र में पनप रहा भारी आक्रोश ज्ञात हो कि अभी तक इस समस्या कि समाधान नहीं होने से क्षेत्र में विभाग के प्रति भारी आक्रोश पनप रहा है, वहीं क्षेत्र के जागरूक लोगों ने ऐसे लापरवाह कर्मचारियों पर कार्यवाही कि भी मांग है। तथा अतिशीघ्र ही क्षेत्र की जनता ने आवागमन सुचारू रूप से चालू करवाने कि भी मांग जिला प्रशासन से कि है। साथ ही साथ निर्माण कार्य के नाम पर पूरी तरह से आवागमन बाधित करने से क्षेत्र की जनता व राहगीरों को भारी समस्या का सामना करना पड़ रहा है। वहीं इस मार्ग में आठ दिनों से आवागमन पूरी तरह से बाधित है और जिम्मेदार विभाग अब तक खामोश बैठा है जो जन चर्चा का विषय है बना हुआ है ऐसे लापरवाह कर्मचारियों व ठेकेदार पर भी कार्यवाही कि मांग क्षेत्र के जागरूक लोगों ने कि है, वहीं अब देखना यह है कि आखिरकार प्रशासन कब तक हरकत में आता है और कब से सुधार कार्य प्रारंभ करवाता है क्या ऐसे लापरवाह कर्मचारियों पर विभाग कोई कार्यवाही करेगा या फिर बारिश

का बहाना बनाकर अपने कर्मचारियों को आशीर्वाद स्वरूप बचायेगा,यह तो भविष्य ही बताएगा कि कब से सुधार कार्य किया जाता है और किस तरह से कार्यवाही होती है।

हरियाली महोत्सव के अवसर पर उज्जैन में एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत वृहद पौध-रोपण

सामाजिक संगठनों, जनप्रतिनिधि, अधिकारी कर्मचारी और युवाओं ने उत्साहपूर्वक लगाए पौधे

उज्जैन / हरियाली महोत्सव के अवसर पर उज्जैन नगर में वृहद स्तर पर पौध-रोपण किया जा रहा हैं। नगर निगम उज्जैन द्वारा आयोजित कार्यक्रम में विभिन्न सामाजिक संगठनों जनप्रतिनिधियों, अधिकारियों और युवाओं ने उत्साहपूर्वक सहभागिता कर पौधें लगाएं। उज्जैन नगर अंतर्गत 500 से अधिक स्थानों पर पौधें लगाएं जा रहें है। करीब 1 लाख 50 हजार से अधिक पौधे लगाए जाएंगे। विक्रम विश्वविद्यालय के खेल मैदान में मयूर वन और चामुंडा माता चौराहा के सामने नगर वन परिसर में वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इस अवसर पर सांसद श्री अनिल फिरोजिया,राज्यसभा सांसद श्री उमेशनाथ जी महाराज, विधायक श्री अनिल जैन कालूहेडा, विधायक श्री सतीश मालवीय,महापौर श्री मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति श्रीमती कलावती

यादव सहित पार्षदगण आदि जनप्रतिनिधि और गणमान्य नागरिकों ने भी एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत पौधरोपण किया। उज्जैन कलेक्टर श्री नीरज कुमार सिंह और निगम आयुक्त श्री आशीष पाठक सहित अन्य अधिकारियों द्वारा भी पौध-रोपण किया गया।

शाहपुर में दीवार गिरने से 9 बच्चों की मौत के बाद सीएमओ और उपयंत्री निलम्बित

मंत्री, पूर्व मंत्री, विधायक, आईजी , कलेक्टर, एसपी सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी मौके पर रहे मौजूद

सागर

जिले के शाहपुर में रविवार को सुबह हुई हृदयविदारक घटना के बाद नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री भरत यादव ने शाहपुर नगर परिषद के प्रभारी सीएमओ श्री धनंजय गुमास्ता और उप यंत्री श्री वीर विक्रम सिंह को तत्काल प्रभाव से निलंबित किया गया है। रविवार प्रात: हुई इस घटना की जानकारी मिलते ही खाद्य, नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री एवं क्षेत्रीय विधायक श्री गोपाल भार्गव, विधायक श्री शैलेंद्र जैन , आईजी श्री प्रमोद वर्मा, कलेक्टर श्री दीपक आर्य , प्रभारी पुलिस अधीक्षक श्री संजीव उईके सहित जनप्रतिनिधि, अधिकारी मौके पर मौजूद रहे एवं आवश्यक कार्यवाही की। उल्लेखनीय है कि शाहपुर नगर परिषद के हरदौल मंदिर में शिवलिंग निर्माण एवं भागवत कथा का आयोजन चल रहा है। सावन के महीने में यहां सुबह से शिवलिंग बनाए जा रहे थे। रविवार को अवकाश का दिन होने की वजह से शिवलिंग बनाने के लिए 10 से 15 साल के बच्चे भी मंदिर पहुंचे। बता दें कि, जब बच्चे सुबह शिवलिंग बना रहे थे तभी मंदिर परिसर के बाजू वाली करीब पचास साल पुरानी एक कच्ची दीवार ढहकर गिर गई। यह

दीवार शिवलिंग बना रहे बच्चों के ऊपर सीधी गिरी। जानकारी प्राप्त होते ही कलेक्टर श्री दीपक आर्य ने एसडीएम , तहसीलदार, पुलिस अधिकारियों को मौके के लिए रवाना किया। घटनास्थल से घायलों को जिला चिकित्सालय भेजा गया एवं डॉक्टर को आवश्यक निर्देश दिए गए। उल्लेखनीय है कि, घटना के बाद तत्काल ही दीवार के मलबे को हटाने का कार्य शुरू हुआ तो इसके नीचे दबे बच्चों को निकाला गया। प्राप्त जानकारी के अनुसार 09 बच्चों के मृत होने की पुष्टि हुई। जबकि 02 बच्चे घायल हैं जिनका इलाज जिला अस्पताल में चल रहा है। मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत, पूर्व मंत्री एवं विधायक श्री गोपाल भार्गव, सागर विधायक श्री शैलेंद्र जैन, श्री गौरव सिरोठिया, आईजी श्री प्रमोद वर्मा, कलेक्टर श्री दीपक आर्य तथा प्रभारी एसपी श्री संजीव उईके घटनास्थल पर पहुंचे तथा इसके पूर्व वे घायलों से जिला अस्पताल में मिलने भी पहुंचे। उन्होंने घायलों का उचित इलाज कराने के संबंध में निर्देश दिए। खाद्य नागरिक आपूर्ति एवं उपभोक्ता संरक्षण मंत्री श्री गोविंद सिंह राजपूत ने दुर्घटना में बच्चों की मृत्यु पर गहरी संवेदनाएं व्यक्त करते हुए कहा कि भगवान दिवंगत बच्चों की आत्मा को शांति प्रदान करें। हादसे में घायल अन्य बच्चे शीघ्र स्वस्थ हों ऐसी कामना करता हूं। जिन परिवारों ने मासूम बच्चों को खोया है उनके प्रति मेरी गहरी संवेदनाएं है। उन्होंने बताया कि, मृतक बच्चों के परिजनों को शासन की ओर से चार-चार लाख रुपए की राशि दी जाएगी।

युवाओं के इस आयोजन से भावुक हुवे समाजजन

उज्जैन

खाचरोद में धाकड़ युवा संघ खाचरोद द्वारा एक नवाचार किया गया,समाज के अति गरीब, बेसहारा,घर के मुखिया का गंभीर बीमारी से पीड़ित होने से जो पूरा परिवार पूरी तरह टूट गए,जिनके बच्चे छोटे छोटे और उनके पिता का साया उनके ऊपर से उठ गया हो,रोजाना उनकी दिनचर्या चलाने में उनको गंभीर समस्या बनी हो,उन परिवार को धाकड़ समाज के युवा ने उनकी मदत के लिए आगे आए और एक नवाचार कर प्रत्येक परिवार को 5 माह का राशन वितरण किया,युवाओं की इस पहल को समाज के वरिष्ठ समाजसेवी एवं समाजजनों सराहना की, समाजसेवी पार्षद नारायण मंडावलिया व धाकड़ युवा संघ

के अध्यक्ष रवि वरवनिया ने बताया कि बहुत दिनो से पीड़ा थी ऐसे समाज के परिवार के लिए कुछ किया जाए जो हमने हमारे साथियों को बताया और ये कार्यक्रम करने की योजना बनाई और कार्यक्रम किया और भी ऐसे सेवा कार्य जारी रखेंगे, कार्यक्रम के शुरुवात में भगवान बलराम जी को दीप प्रज्वलित कर समाज के वरिष्ठों का सम्मान शालश्रीफल व भगवान बलराम जी की तस्वीर भेट की गई, कार्यक्रम में अतिथि के रूप में धाकड़ समाज के हरीनारायण पटेल, दयाराम धाकड़, ओमप्रकाश सेकवाडिया, हरिराम कांकर, रमेशचंद्र सगितला, परमानंद वरवनिया, भेरूलाल मंडावलिया, अजय वाक्तरिया थे, कार्यक्रम को सफल बनाने में अध्यक्ष रवि वरवनिया, सचिव नारायण मेहता, पार्षद नारायण मंडावलिया ,मुकेश कासनिया,भरत कासनिया, धर्मेंद्र नंदेड़ा, जगदीश नायमा, दिनेश नागर, संतोष मदारिया, महेश नायमा, लाला वाक्तरिया, पुष्कर सगितला, सत्य नारायण वाक्तरिया, नरसिंग पोपंडिया, अशोक सगितला, संतोष मेहता, समरथ वाक्तरिया, कन्हैयालाल पोपंडिया, अनिल नंदेडा आदि धाकड़ युवा संघ खाचरोद के सदस्यों का सहयोग रहा । कार्यक्रम का संचालन भेरूलाल नंदेडा ने किया एवम आभार पूर्व अध्यक्ष मुकेश मंडावलिया ने किया ।

नागद्वारी मेले में सुरक्षा की दृष्टि आरटीओ और यातायात पुलिस के द्वारा संयुक्त कार्यवाही की गई

ओवरलोड जिप्सियों के काटे चालान

नर्मदापुरम

रविवार 4 अगस्त को कलेक्टर सोनिया मीना एवं पुलिस अधीक्षक डॉ गुरकरन सिंह के निर्देशानुसार आरटीओ अधिकारी श्रीमती निशा चौहान तथा यातायात डीएसपी श्री संतोष मिश्रा के संयुक्त नेतृत्व में जांच दल द्वारा पचमढ़ी नागद्वारी मेले में सुरक्षा की दृष्टि से जलगड़ी मार्ग तथा पगारा मार्ग पर ओवरलोडिंग तथा अधिक किराया लेने वाले वाहनों पर नियंत्रण रखने के लिए चालानी कार्यवाही की गई। वाहन चालको को ओवरस्पीड न करने की हिदायत दी गई, कुल 28 चालानी कार्यवाही करते हुए 17500 हजार का चालान काटा गया।एक चालक शराब का सेवन करके गाड़ी चलाते पाया गया, जिसे मेडिकल के लिए भेजकर

विधिसमत कार्यवाही की जा रही है। आरटीओ अधिकारी एवं यातायात डीएसपी द्वारा पचमढ़ी बस स्टैंड, जलगड़ी मार्ग एवं पगारा में सघन वाहनों की चेकिंग करते हुए वाहन चालको को सही तथा व्यवस्थित तरीके से वाहन चलाने के निर्देश दिए गए।

शिवपुरी जनपद ने पीएम जनमन योजना अंतर्गत देश में सबसे पहले तीन कॉलोनी बनाकर देश में परचम लहराया

हातोद ,डबिया ,कोटा पंचायत ने क्रमशः 18,28,16 आवास की कॉलोनी बनाई

शिवपुरी

कॉलोनी वाले हितग्राहियों के साथ इन पंचायतो के समस्त सहरिया हितग्राहियो को आवास ,पेंशन ,पोषण आहार ,पात्रता पर्ची योजनाओ में 100त्रसेचुरेशन सीईओ जनपद शिवपुरी गिर्राज शर्मा ने बताया है कि शिवपुरी ब्लॉक ने पूर्व में देश का सबसे पहला पीएम जनमन आवास कलोथरा पंचायत के भागचंद्र आदिवासी ने पूर्ण किया था ,उसके पश्चात देश में सबसे पहले 500और 1000 पीएम जनमन आवास पूर्ण किये थे , तत्पश्चात अब देश में सुव्यवस्थित 3 पीएम जनमन आवास कॉलोनी बनाकर शिवपुरी जनपद ने उत्कृष्टता का परिचय देते हुए ,पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है इस कारण प्रदेश ही नहीं अपितु देश के कई राज्यों के जिला कलेक्टर शिवपुरी ब्लॉक की तरह सुव्यवस्थित कॉलोनी बनाने की कार्ययोजना तैयार कर रहे हैं पूर्व में भी भारत सरकार से एक पत्र जारी हुआ था जिसमे देश के सभी कलेक्टर को शिवपुरी जैसी कॉलोनी बनाने के निर्देश दिए गए थे ,इससे सिद्द होता है कि शिवपुरी ब्लॉक ने वाकई प्रदेश का नाम रोशन किया है सीईओ गिर्राज शर्मा ने ये भी बताया कि इन कॉलोनी में जिन सहरिया हितग्राही के आवास है

उन सभी को पेंशन ,पोषण आहार ,खाद्यान पर्ची ,समग्र ,आधार कार्ड ,आयुष्मान जैसी सुविधाएँ भी गयी है सिर्फ कॉलोनी वाले हितग्राही ही नहीं अपितु कोटा ,हातोद ,डबिया पंचायत के सभी सहरिया हितग्राही को पेंशन ,पोषण आहार ,पात्रता पर्ची ,आवास का लाभ दिया गया है अर्थात इन पंचायतो में पोषण आहार ,आवास ,पेंशन ,पात्रता पर्ची का शत प्रतिशत सेचुरेशन किया जा चूका है इन आदर्श कॉलोनी में रोड ,पानी , बिजली के साथ सामुदायिक चौपाल ,स्ट्रीट लाइट ,सामुदायिक भवन ,मल्टी पर्पस सेण्टर जैसी सुविधाएँ भी दी जाएँगी इनका प्रोजेक्ट बनाकर भेज दिया है जो कुछ ही समय में भारत सरकार से स्वीकृत होकर आएगा !

हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर केबिनेट मंत्री एवं कलेक्टर द्वारा हाथीपावा पर किया गया पौधारोपण

झाबुआ हरियाली अमावस्या के पावन अवसर पर केबिनेट मंत्री महिला एवं बाल विकास विभाग सुश्री निर्मला भूरिया एवं कलेक्टर नेहा मीना द्वारा एक पेड़ मां के नाम अभियान के तहत हाथीपावा में पौधारोपण किया गया।जल गंगा संवर्धन अभियान के तहत जनभागीदारी से बने हाथीपावा पहाड़ी पर बने टैंक का केबिनेट मंत्री एवं कलेक्टर द्वारा अवलोकन किया गया। जल सरंक्षण हेतु प्रशासन के द्वारा किये गए प्रयासों की प्रशंसा की।इस दौरान वनमण्डलाधिकारी श्री हरे सिंह

ठाकुर, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत श्री जितेन्द्र सिंह चौहान, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व श्री सत्यनारायण दर्रो, सहायक आयुक्त जनजातीय कार्य विभाग श्रीमती निशा मेहरा, जनप्रतिनिधि श्री भानु भूरिया एवं अन्य अधिकारी कर्मचारी उपस्थित रहे।

लोकसभा निर्वाचन सफलतापूर्वक संपन्न कराने पर खरगोन कलेक्टर शर्मा को मिला प्रशस्ति पत्र

खरगोन

मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी मप्र भोपाल अनुपम राजन ने लोकसभा चुनाव-2024 सफलतापूर्वक एवं निर्विघ्न संपन्न कराने के लिए कलेक्टर एवं जिला निर्वाचन अधिकारी कर्मवीर शर्मा को प्रशस्ति पत्र प्रदान किया है। उल्लेखनीय है कि कलेक्टर शर्मा के प्रयासों से खरगोन-बड़वानी लोकसभा क्षेत्र में 13 मई 2024 को हुए मतदान में मतदान का प्रतिशत 76.03 रहा है। जो कि प्रदेश के सर्वाधिक मतदान प्रतिशत जिलों में शामिल रहा है। कलेक्टर शर्मा के प्रयासों से खरगोन जिले में लोकसभा चुनाव स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्वक एवं निर्विघ्न कराने में सफलता मिली है।

शर्मा ने अपने प्रयासों और माइक्रो प्लानिंग कर हर छोटी सी छोटी बात को विश्लेषित कर विशेष दिशा निर्देश जारी किए। जिसकी वजह से तीन जिलों जिनमें बड़वानी, खरगोन और खंडवा जिले की दो विधानसभा भीकनगांव और बड़वाह का निर्वाचन संपन्न हो सका।

उक्त निर्वाचन में कानून व्यवस्था के साथ निर्वाचन प्रक्रिया का पालन प्राप्त शिकायतों का समय सीमा में निराकरण करना, तीन जिलों के डाक मत पत्र जिसमें कई जिलों और सेना कार्मिकों के डाक मतपत्र जिनका प्रोटोकॉल बहुत सख्त था। फिर भी एक भी डाक मतपत्र कम या ज्यादा नहीं हुआ। साथ ही घर-घर वरिष्ठ जन के मतदान भी हुए। इस प्रकार कई प्रकार की विशिष्ठ परिस्थितियों में भी चुनाव बिना किसी आरोप के सबकी सहमति से संप्पन कराएं।कलेक्टर शर्मा ने इस पुरस्कार और सम्मान हेतु उप जिला निर्वाचन अधिकारी जेएस बघेल के साथ सभी नोडल अधिकारी कर्मचारी के साथ जिले के निर्वाचन के विधवान मास्टर ट्रेनर्स के प्रयासों की सराहना की है।

सुहाने मौसम में बच्चों ने मनाया फेंसशिप डे

झाबुआ थांदला

बरसात का मौसम सुहाना लगता है ऐसे में प्यार व दोस्ती का आधुनिक पर्व फ्रेंसशिप डे का जबरजस्त उत्साह बच्चों में देखने को मिला। रविवार स्कूल की छुट्टी होने से बच्चों का उत्साह दो गुना हो गया। नन्हें बच्चों ने भी टोली बनाकर हाथों में फ्रेंडशिप बेल्ट की झोली लेकर अपने दोस्तों से मिलने निकल पड़े। क्रिना चोपड़ा, पूर्वी कसेरा, गर्विश जैन, आर्वी नागर, मिष्टी चोपड़ा, विरति जैन, रायशा जैन, मिष्का श्रीश्रीमाल, दीर्घ पीचा, प्राज्ञ जैन, उत्कर्षि जैन, आकर्षी जैन, तन्वी नाविक, शीतल सिंगार, धरा जैन, नित्या श्रीश्रीमाल, अरिया जैन, आराध्या श्रीश्रीमाल, मनोज्ञा जैन, अनिका जैन, नन्नी जैन, वंदन जैन, आवा श्रीश्रीमाल सहित तमाम नन्हें बच्चों ने एक दूसरे के घर जाकर फ्रेंडशिप बेल्ट पहनाकर हाथ मिलाते हुए मित्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। यह पहला अवसर है जब इन नन्हें बच्चों के माता-पिता को भी अपने बच्चों पर गर्व हुआ कि वे बाल उम्र में भी दोस्ती की अहमियत समझते है व उत्साह से आधुनिक युग के पर्व को मनाते है। सभी बच्चों ने मिलकर खूब मस्ती भी की व पेरेंट्स द्वारा बनाया स्नेक्स व चॉकलेट बिस्किट का भी भरपूर आनंद लिया। उल्लेखनीय है कि 4 अगस्त को विश्व मित्रता दिवस मनाता है ऐसे में स्कूल कॉलेजों के यार दोस्तों के लिये यह आपसी मिलन का पर्व रहा तो अधिकांश बड़े लोग अपने फेसबुक, इंस्टाग्राम, टेलीग्राम व ट्विटर के जरिये अनजान मित्रों को सोशल मीडिया के माध्यम से बधाई देते नजर आये।

आदिवासी बारेला समाज उत्थान समिति बड़वानी को राज्य सभा सांसद ने 25 लाख रूपये की सांसद निधि स्वीकृत की गई

बड़वानी ज्ञात हो की बड़वानी जिला आदिवासी बहुल जिला है जिसमे लगभग 70% बारेला समाज निवास करता है श्री पोपटलाल चौहान अध्यक्ष आदिवासी बारेला समाज के उत्थान के लिए बारेला समाज ने एक समिति का गठन कर आदिवासी बारेला समाज के सर्वागीण के लिए दृढ़ संकलपित है

डॉ सुमेर सिंह सोलंकी जी राज्य सभा सांसद ने कहा की मध्यप्रदेश से एकमात्र राज्यसभा सांसद आदिवासी बारेला समाज से ही आते है आदिवासी समाज सहित देश के सभी वर्गो के सर्वागीण विकास के लिए प्रयासरत हूँ और आदिवासी बारेला समाज का भव्य भवन बनेगा समाज के विकास के लिए कोई कसर नहीं छोडेंगे साथ ही शिक्षा और स्वास्थ्य के क्षेत्र मे भी अग्रणी होकर कार्य किया जायेगा आदिवासी बारेला समाज उत्थान समिति बड़वानी को 25लाख रूपये की सांसद निधि स्वीकृत कर समाज के धर्मशाला निर्माण मे सहयोग कर रहा हूँ।डॉ रविन्द्र बरड़े ने कहा की बारेला समाज के सहयोग राशि कम से कम 500 रूपये समिति को सहयोग करने का एक अभियान चलाया गया जो 500 रूपये से आजतक डेढ़ लाख रूपये एकत्र कर लिए गए है।श्री रवि सस्त्या समिति कोषाध्यक्ष ने कहा की बारेला समाज के पास माननीय राजयसभा सांसद की 25 लाख सांसद निधि और समाज द्वारा एकत्र राशि लगभग डेढ़ लाख रूपये कुल 26 लाख एक्कावन हजार रूपये समिति ने एकत्र कर लिए गए है आदिवासी बारेला समाज उत्थान समिति माननीय राज्य सभा सांसद एवं आर्थिक सहयोग के लिए समजनों का बहुत बहुत आभार एवं धन्यवाद ज्ञापित करते है।श्री विरजी जाधव, श्री बिलवर अलावे, श्री नकुल खरते श्री शांतिलाल जाधव श्री विक्रम चौहान श्री तेरसिंह डूडवे श्री सुरमल अवाया श्री दिनेश खरते आदि उपस्थित थे

नेतन्याहू की चेतावनी- ईरान हो या..., हर हमले का देंगे मुंहतोड़ जवाब

डेस्क। इजराइल के प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने रविवार को कहा कि उनका देश ईरान और उसके समर्थन वाले उग्रवादी समूहों के साथ कई मोर्चों पर युद्ध लड़ रहा है। गाजा पट्टी में लगभग 10 महीने से जारी युद्ध और पिछले हफ्ते लेबनान में शीर्ष हिजबुल्लाह कमांडर फौद शुकूर तथा ईरान में हमास के राजनीतिक प्रमुख इस्माइल हनिया के मारे जाने के बाद क्षेत्र में व्याप्त तनाव के पूर्ण लड़ाई में तब्दील होने की आशंका बढ़ गई है। ईरान और उसके समर्थन वाले चरमपंथी समूहों ने हनिया व शुकूर की मौत के लिए इजराइल को जिम्मेदार ठहराते हुए बदला लेने की धमकी दी है। वहीं, अमेरिका और उसके सहयोगियों ने इजराइल को ईरान और उसके समर्थन वाले चरमपंथी समूहों के संभावित हमलों से बचाने तथा क्षेत्र में हिंसक संघर्ष के खतरे को कम करने के

लिए पश्चिम एशिया में सैन्य उपस्थिति बढ़ाने का फैसला लिया है।

नेतन्याहू ने रविवार को कैबिनेट बैठक में कहा कि इजराइल किसी भी परिस्थिति का सामना करने के लिए तैयार है। जॉर्डन के विदेश मंत्री आयमान सफादी पश्चिम एशिया में युद्ध के खतरे को कम करने के कूटनीतिक प्रयासों के तहत ईरान की यात्रा पर हैं। वह पिछले 20 से अधिक वर्षों में ईरान की आधिकारिक यात्रा करने वाले जॉर्डन के पहले वरिष्ठ अधिकारी हैं। उन्होंने कहा, हम चाहते हैं कि तनाव खत्म हो। वहीं, व्हाइट हाउस के उप राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जॉन फाइनर ने कहा, हम यह सुनिश्चित करने के लिए हर संभव प्रयास कर रहे हैं कि हालात और न बिगड़ें।

उनका यह बयान अमेरिकी रक्षा मंत्रालय के मुख्यालय 'पेंटागन द्वारा पश्चिम एशिया में लड़ाकू विमानों का दस्ता और विमान वाहक पोत तैनात करने का फैसला किए जाने के बीच आया है।इजराइल ने बम रोधी शिविर बनाने शुरू कर दिए हैं। उसने अप्रैल में एक हवाई हमले में ईरान के दो शीर्ष सैन्य अधिकारियों की मौत के बाद तेहरान द्वारा की गई अप्रत्याशित सैन्य कार्रवाई के मद्देनजर यह कदम उठाया है। इजराइल की बचाव एजेंसी 'मेगन डेविड एडम ने बताया कि रविवार को तेल अवीव के पास एक व्यक्ति ने चाकू से वार कर दो बुजुर्गों की हत्या कर दी।

इजराइली पुलिस ने कहा कि यह हमला एक फलस्तीनी उग्रवादी ने किया, जिसे बाद में मार गिराया गया। वहीं, गाजा के स्वास्थ्य मंत्रालय ने गाजा पट्टी में दो स्कूल पर इजराइल के हवाई हमले में कम से कम 25 लोगों के मारे जाने और 19 अन्य के घायल होने की जानकारी दी। हालांकि, इजराइली सेना ने कहा कि उसने हमास के प्रमुख केंद्रों को निशाना बनाया। इजराइल फलस्तीनी उग्रवादियों पर रिहायशी इलाकों में शरण लेने का आरोप लगाता है।

जेल में बंद इमरान खान ने कहा- पाकिस्तान की सेना मांगे मुझसे माफी

इस्लामाबाद: जेल में बंद पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने पिछले साल नौ मई को उनकी गिरफ्तारी के बाद भड़के दंगों के लिए माफी मांगने से इनकार कर दिया है और कहा है कि सेना को उनसे माफी मांगनी चाहिए क्योंकि हिंसा के दिन पाक रेंजर्स ने उनका ''अपहरण कर लिया था। खान (71) को नौ मई 2023 को भ्रष्टाचार के एक मामले में पेशी के दौरान इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से पाक रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था।

उनकी गिरफ्तारी के बाद पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) के समर्थकों ने देशव्यापी विरोध प्रदर्शन किया और दंगे भड़क उठे थे। इससे देशभर में नागरिक और सैन्य प्रतिष्ठानों को नुकसान हुआ था। सेना के प्रवक्ता मेजर जनरल अहमद शरीफ ने इस वर्ष सात मई को कहा था कि पीटीआई (इमरान की पार्टी) के साथ कोई भी बातचीत हो सकती है, बशर्ते पार्टी अपनी ''अराजकता की राजनीति के लिए माफी मांगे। इस बयान के बाद, विभिन्न क्षेत्रों से यह मांग उठी कि खान की पार्टी को ''काला

दिवस हिंसा के लिए माफी मांगनी चाहिए।

डॉन अखबार की रिपोर्ट के अनुसार, शनिवार को रावलपिंडी की अदियाला जेल में मीडिया से बातचीत के दौरान खान ने एक सवाल के जवाब में कहा कि नौ मई की हिंसा के लिए माफी मांगने का कोई कारण नहीं है। उन्होंने कहा कि उन्हें इस्लामाबाद उच्च न्यायालय परिसर से एक मेजर जनरल के नेतृत्व में रेंजर्स ने गिरफ्तार किया था। खान ने कहा कि उल्टा सेना को उनसे माफी मांगनी चाहिए क्योंकि हिंसा के दिन पाक रेंजर्स ने उनका ''अपहरण कर लिया था।

दो बाइकों की टक्कर में 4 युवकों की दर्दनाक मौत

तीसरी सोमवारी पर जल भरने गंगा घाट जा रहे थे सभी

कटिहार- सावन की तीसरी सोमवारी पर बिहार के कटिहार जिले में दर्दनाक हादसा हो गया, जहां दो बाइकों की सीधी भिडंत में चार युवकों की दर्दनाक मौत हो गई। सभी युवक सावन के तीसरी सोमवारी में मनिहारी घाट गंगास्नान कर जल भरने गए थे। इस घटना के बाद मृतकों के परिजनों में कोहराम मच गया। जानकारी के अनुसार, घटना जिले के मनिहारी थाना क्षेत्र के कुमारीपुर कजरा के पास की है। बताया जा रहा है कि युवक दो बाइकों पर सवार थे और सावन के तीसरी सोमवारी में मनिहारी घाट पर गंगा स्नान कर जल भरने गए थे। मृतकों में एक बाइक पर सवार कटिहार के मुफ्फसिल थाना क्षेत्र के उदामारहिका के रहने वाले थे जबकि दूसरे बाइक पर सवार दो अन्य युवक पूर्णिया के सरसी इलाके के रहने वाले बताए जाते हैं।

मामले की जांच में जुटी पुलिस

स्थानीय परिजन राजू कुमार ने बताया कि यह हादसा उस समय हुआ जब बाइक सवार युवक तड़के सुबह मनिहारी गंगाघाट जा रहे थे। इसी दौरान अनियंत्रित होकर दोनों बाइकें एक दूसरे से भिड़ गई, जिसके बाद घटनास्थल पर चीख-पुकार मच गई। इस घटना में दो युवकों की मौके पर ही मौत हो गई जबकि आनन-फानन में दो अन्य को इलाज के मेडिकल कॉलेज अस्पताल ले जाया गया जहां उन्होंने भी दम तोड़ दिया। वहीं घटना की सूचना मिलते ही मनिहारी थाना की पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिए सदर अस्पताल भेज दिया है और मामले की जांच शुरू कर दी है।

सावन के पवित्र महीने में उज्जैन का महाकाल मंदिर गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में शामिल!

नेशनल डेस्क। एक अनोखे प्रयास में मध्य प्रदेश के उजैन में कुल 1,500 शिव भक्त डमरू बजाएंगे। यह सबसे बड़ी संख्या में लोगों के एक साथ डमरू बजाने का विश्व रिकॉर्ड बनाने का प्रयास होगा। यह कार्यक्रम सावन के पवित्र महीने में सोमवार को आयोजित किया जा रहा है, जो भगवान शिव के भक्तों के लिए एक बहुत ही पवित्र अवसर माना जाता है।

1,500 शिव भक्त डमरू बजाएंगे

धार्मिक नगरी उजैन में बाबा महाकाल की विशेष सवारी निकलने से ठीक पहले डमरू कलाकार डमरू बजाएंगे. रिपोर्ट्स के मुताबिक, शहर के शक्ति पथ पर रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जाएगा।

कार्यक्रम के लिए दोपहर 12 बजे का समय तय किया गया है। कार्यक्रम की जानकारी रखने वाले लोगों के मुताबिक, विश्व रिकॉर्ड बनाने के प्रयास में कुल 1,500 कलाकार

निर्धारित स्थान पर 10 मिनट तक डमरू बजाएंगे। इस आयोजन को गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में दर्ज कराने के लिए एक विशेष टीम को बुलाया गया है, जो पूरे आयोजन की रिकॉर्डिंग के लिए जिम्मेदार होगी, ताकि इसे रिकॉर्ड बुक में जोड़ा जा सके।

सावन का महत्व

उजैन में यह आयोजन सावन के पवित्र महीने में किया जा रहा है. यह महीना भगवान शिव की आराधना को समर्पित है। देश भर के शिव मंदिरों में सैकड़ों भक्त आते हैं और कई लोग गंगा नदी तक भी जाते हैं और भगवान को चढ़ाने के लिए वहां से पवित्र जल लाते हैं। इन लोगों को कांवड़िये के नाम से जाना जाता है। इस अवसर पर, लोगों द्वारा भगवान शिव के विभिन्न जीवन की घटनाओं को दर्शाते हुए कई यात्राएँ और झाकियाँ भी निकाली जाती हैं। उजैन में ऐसे ही एक आयोजन के दौरान डमरू बजाने का रिकॉर्ड बनाने का प्रयास किया जा रहा है।

भारत से नेपाल जा रहा 25 कांवड़ियों से भरा ट्रैक्टर पलटा मची चीख-पुकार

काठमांडू: नेपाल के सरलाही जिले में रविवार को भारत से लौट रहे हिंदू तीर्थयात्रियों को ले जा रहा एक ट्रैक्टर नहर में गिर गया, जिससे एक महिला की मौत हो गई और उसकी 11 वर्षीय बेटी सहित चार अन्य घायल हो गए।

दुर्घटना मलंगावा इलाके में हुई और इस दौरान ट्रैक्टर पर 25 तीर्थयात्री सवार थे। पुलिस ने बताया कि दुर्घटना चालक के ट्रैक्टर से नियंत्रण खो देने के कारण हुई। तीर्थयात्री बिहार के मधिया में एक मंदिर में पवित्र जल चढ़ाने के बाद घर वापस आ रहे थे। बाकी तीर्थयात्री सुरक्षित बताए जाते हैं। ट्रैक्टर चालक फरार है और पुलिस उसकी तलाश कर रही है। आस-पास के

लोगो को जैसे ही वाहन पलटने की भनक मिली सभी अपने अपने काम छोड़ कर दौड़ पड़े। महिलाओ को महिलाएं संभाल रहीं थीं। वहीं पुरुष व महिलाएं पानी में उतर कर सभी को निकालने में मदद कर रहे थे। रविवार को सोनबरसा प्रखंड के मढिया स्थित बाबा मांकेश्वर नाथ धाम पर जलाभिषेक कर ट्रैक्टर से पच्चीस कांवड़िए लौट रहे थे। संतुलन बिगड़ने के बाद बागमती नदी के नाहर में ट्रैक्टर पलट गया।

ब्रिटेन में 13 सालों में सबसे बड़े दंगे

3 बच्चियों की हत्या बाद अप्रवासियों के खिलाफ हिंसक प्रदर्शन, 90 गिरफ्तार

लंदन । ब्रिटेन के साउथपोर्ट स्थित डांस वर्कशॉप में हुई तीन बच्चियों की हत्या के बाद देश 13 सालों में सबसे बुरी दंगों का सामना कर रहा है । ये हिंसा दूर-दराज के शहरों में फैल गई है, जिसमें करीब 90 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। प्रधानमंत्री केयर स्टारमर और सरकार ने शांति बहाल करने और दोषियों को न्याय दिलाने का वादा किया है।यह हिंसा 2011 के बाद की सबसे बड़ी है, जब उत्तरी लंदन में एक मिश्रित-जाति के व्यक्ति की पुलिस द्वारा हत्या के बाद व्यापक दंगे हुए थे।लंदन सहित कई शहरों में पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच झड़पें हुईं। ये दंगे गलत जानकारी के कारण शुरू हुए थे कि तीन बच्चियों की चाकू मारकर हत्या कर दी गई है। इस हिंसा को दूर-दराज के उग्रवादी और विरोधी-आप्रवासन भावनाओं ने और भड़काया।

प्रधानमंत्री कीर स्टार्मर, जो केवल एक महीने पहले चुने गए थे, के लिए यह एक बड़ी चुनौती साबित हो रही है। उन्होंने आश्वासन दिया है कि सरकार शांति बहाल करने के लिए पूरी कोशिश

करेगी और दोषियों को सख्त सजा दी जाएगी। लिवरपूल, मैनचेस्टर, ब्रिस्टल, ब्लैकपूल और हल जैसे कई शहरों में लगभग 90 लोगों को गिरफ्तार किया गया है। दंगों में कुछ स्थानों पर लोगों ने पुलिस पर ईंटें, बोतलें और पटाखे फेंके, जिससे कई अधिकारी घायल हो गए। दुकानों में लूटपाट और आगजनी भी की गई। प्रदर्शनकारियों ने इस्लाम-विरोधी नारे भी लगाए और काउंटर-प्रोटेस्टर्स से भिड़ गए।

शनिवार को हुई ताजा हिंसा में कई ब्रिटिश पुलिस अधिकारी घायल हुए हैं। ब्रिटेन के कई ब्रिटिश शहरों में एक बार फिर हिंसक प्रदर्शन हुए हैं जिसमें कई पुलिसकर्मी घायल हुए हैं और संपत्ति को नुकसान पहुंचा है। हिंसा के जो वीडियो सामने आए हैं उनमें प्रदर्शनकारियों को लिवरपूल में एक दुकान को निशाना बनाते हुए देखा जा सकता है। स्टोक-ऑन-ट्रेंट में, अधिकारियों पर ईंटें फेंकी गईं हैं और हल में, प्रवासियों के आवास वाले एक होटल की खिड़कियों को तोड़ दिया गया. लिवरपूल में, एक पुलिस अधिकारी को उसकी मोटरसाइकिल से गिरा दिया गया. बेलफास्ट, मैनचेस्टर और नॉटिंघम में भी हाथापाई की खबरें सामने आ रही हैं। हिंसा के बीच पूर्वी तट के शहर हल में एक जूते की दुकान में आग लगा दी गई, जबकि दक्षिण-पश्चिमी शहर ब्रिस्टल में घुड़सवार पुलिस और प्रदर्शनकारियों के बीच हिंसक झड़प हुई है। बताया जा रहा है कि प्रदर्शनकारी सोशल मीडिया पर फैलाई गई इस अफवाह से भड़के हुए थे कि सोमवार को चाकूबाजी की घटना में शामिल आरोपी इस्लाम से जुड़ा था।

हालांकि, अधिकारियों ने बताया कि 17 साल का संदिग्ध चाकूबाज, जिसे हत्या के आरोप में गिरफ्तार किया गया है, उसका इस्लाम से कोई संबंध नहीं हैष लेकिन इसके बावजूद अप्रवासी विरोधी और मुस्लिम विरोधी प्रदर्शनकारी रुकने का नाम नहीं ले रहे हैं और लगातार विरोध-प्रदर्शन कर रहे हैं. हिंसक प्रदर्शनों के दौरान आगजनी और लूटपाट भी जमकर हो रही है। गौरतलब है कि आरोपी रुदाकुबाना ने 9 वर्षीय एलिस डेसिल्वा अगुइर, 7 वर्षीय एल्सी डॉट स्टैनकॉम्ब और 6 वर्षीय बेबे किंग की चाकू मार कर हत्या कर दी। इसके अलावा उस पर हत्या के प्रयास के 10 मामले भी दर्ज हैं।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक श्रीमती ज्योती मिश्रा द्वारा कॉम्पेक प्रिंटर्स प्रा. लि. फ्री प्रेस हाउस 3/54, प्रेस कॉम्पलेक्स, ए.बी. रोड, इंदौर से मुद्रित एवं 45ए गुप्ता चैम्बर पहली मंजिल जावरा कंपाउंड इंदौर, (म.प्र.) से प्रकाशित।
प्रधान सम्पादक : अशीष मिश्रा आर.एन.आई. पंजीयन क्रमांक : एमपी/एच/आइएन 2009/34385 फोन नं : 0731-4202569 फैक्स नं : 0731-4202569